हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, रविवार 04 मई 2025

खबर संक्षेप

परीक्षा प्रणाली में बदलाव की मांग लेकर छात्रों ने घेरा विवि

रायपुर। छात्रों की शैक्षणिक समस्याओं और मूलभूत सुविधाओं की उपेक्षा के विरोध में एनएसयूआई ने शनिवार को मैट्स कॉलेज का घेराव किया। छात्रों ने परीक्षा माध्यम अनुरूप प्रश्नपत्र प्रदान किए जाने से लेकर अन्य मांगें भी रखी। छात्रों का कहना है कि वे जिस भाषा (माध्यम) में उत्तर लिखते हैं, उन्हें उसी भाषा में प्रश्नपत्र उपलब्ध कराया जाए। विशेष रूप से हिंदी माध्यम के छात्रों को अंग्रेज़ी भाषा में प्रश्न पत्र प्रदान करना अनुचित है। छात्रों के लिए वातानुकूलित कक्षाओं, शुद्ध पेयजल, पर्याप्त प्रकाश और स्थायी वाई-फाई जैसी बुनियादी सुविधाएं भी निर्बाध रूप से उपलब्ध करानी मांग की गई। पुस्तकालय में सभी शैक्षणिक विभागों से संबंधित उच्च गुणवत्ता की पर्याप्त किताबें उपलब्ध कराने की भी मांग छात्रों ने रखी ताकि आवश्यक अध्ययन सामग्री सुगमता से प्राप्त हो सके। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों का कहना है कि विवि में जितने छात्र अध्ययनरत हैं, उतनी क्षमता पुस्तकालय की नहीं है। ऐसे में छात्रों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय की बैठक क्षमता को बढ़ाया जाए, जिससे छात्रों को एक शांत एवं सुविधाजनक अध्ययन वातावरण मिल सके।

प्रीतम ठाकुर ने जोन 8 के अध्यक्ष का पदभार संभाला

रायपुर। महोबा बाजार स्थित जोन 8 कार्यालय में प्रीतम सिंह ठाकुर ने शनिवार को जोन अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया। इस मौके पर रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर, राज्य लौह शिल्पकार विकास बोर्ड अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा सहित एमआईसी सदस्यों, वार्ड पार्षदों ने प्रीतम सिंह ठाकुर को उनके कक्ष में पहुंचकर जोन अध्यक्ष का पदभार संभालने पर बुके देकर स्वागत किया।

रंजय सचिव, सुधीर बने भोजपुरी युवा मोर्चा के कोषाध्यक्ष

रायपुर। अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन रायपुर इकाई के युवा मोर्चा में नई जिम्मेदारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। इस अवसर पर रंजय कुमार सिंह को सचिव और भोजपुरी समाज के सुधीर राय को कोषाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष मुक्तिनाथ पांडेय ने दोनों पदाधिकारियों पर विश्वास जताते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ समाज के हित में कार्य करेंगे।

समस्या : बिजली के टूटे पोल और गिरे तारों से गांव में दहशत का माहौल

कोहका में जल संकट गहराया, डेढ़ किलो मीटर पैदल चलकर लाना पड़ रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तिल्दा नेवरा

■ गांव में एक ही तालाब जिसमें मवेशी और इंसान दोनों नहाने मजबूर

तिल्दा नेवरा के समीपस्थ ग्राम पंचायत कोहका में पानी की विकराल समस्या बनी हुई है, गुरुवार शाम से गांव में बिजली बंद है जिसके चलते ग्रामीणों को भारी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। बिजली के पोल टूट गए है बिजली तार भी टूटकर पर गिरे पड़े हैं। पीने के पानी के लिए एक से डेढ़ किलोमीटर जाकर हैंड पंपों से ग्रामीणों को पानी लाना पड़ रहा है। हैंडपंप पर भीड़ भी देखी गई। गांव में एक ही तालाब है जिसमें मवेशी और इंसान दोनों नहाने मजबूर है। और इस तालाब का पानी बहुत गंदा हो चुका है पानी हरे रंग का हो गया है। वहीं एक डबरी नुमा तालाब कोहका हाउसिंग बोर्ड के पीछे स्थित है वहां भी लोग गंदे पानी में नहाने मजबूर है। शनिवार को जब गांव पहुंच कर ग्रामीणों से चर्चा की गई तो ग्रामीणों ने कहा की गुरुवार शाम से बिजली बंद पड़ी है जिसके चलते गांव में लाइट नहीं है और ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पानी जैसे समस्या से ग्रामीणों को काफी जूझना पड़ रहा है। 3 से 4 बिजली के पोल टूट गए है, बिजली के तार टूटकर गांव के गली में गिरे पड़े हैं। गांव के हैंड पंपों पर ग्रामीणों की भारी भीड़ देखी गई।

शिकायत की गई है

सरपंच तेज राम वर्मा ने कहा कि इसकी शिकायत बिजली विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को दे दिए है। इधर बिजली विभाग के जवाबदार कुछ भी बोलने से साफ इंकार कर दिए।

आरंग महाविद्यालय में फ्लावर डेकोरेशन एग्जीविशन आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आरंग

बद्री प्रसाद लोधी स्नातकोत्तर शासकीय महाविद्यालय आरंग में बॉटनी डिपार्टमेंट के एसईसी बॉटनी के छात्र-छात्राओं के द्वारा फ्लोरीकल्चर के अंतर्गत फ्लावर डेकोरेशन एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. आर अभया जोगलेकर ने छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। इस एग्जीबिशन में रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉ. रेनू माहेश्वरी प्रिंसिपल नवीन गवर्नमेंट कॉलेज तमासिवनी उपस्थित रही। उन्होंने छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन कर इस एग्जीबिशन के लिए प्रेरित किया कि वह इससे अपने जीवन में बहुत कुछ सीख सकते हैं एवं आगे बढ़ सकते हैं, जिन्हें बेकार और बेकाम समझ कर फेंक दिया जाता था उनसे नई वस्तुओं का कैसे निर्माण किया जा सकता है एवं उसको उपयोग में लाया जा सकता है। छात्र-छात्राओं के द्वारा फ्लावर डेकोरेशन मे यू शेप्ड, ओवल शेप्ड फ्लावर बुके, कैस्केड, वर्टिकल, होरिजेंटल, ट्रायंगुलर शॉप, कास्ट, फ्लावर पॉट, तोरण, गजरा, ड्राई फ्लावर अरेंजमेंट, फ्रेमवर्क के साथ सूखे फूल और पत्तियों से विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का निर्माण कर प्रस्तुत किया, जिसमें टी कोस्टर, फ्रेम ट्रे, की रिंग, फ्रिज मैगनेट उल्लेखनीय है। छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह से इस एग्जीबिशन में भाग लिया, वे इस एग्जीबिशन से सीख लेकर लघु उद्योग के लिए भी तैयार हो रहे हैं। इससे उन्हें जीवन में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकते हैं तथा वे अपना स्वयं का व्यवसाय भी कर सकते हैं।

पोस्टर बनाने की सिखाई विधि

सूखे पत्ते फूलों का उपयोग कर गुलदस्ता फ्रेम पोस्ट टी का निर्माण कर सकते हैं। कुछ छात्र-छात्राओं ने अपना अनुभव शेयर किया कि सूखे फूलों और पत्तियों से टिकोस्टर, फ्रेम, की रिंग आदि बनाने से उन्हें रचनात्मक प्रकृति से जुड़ने और उसका दोबारा उपयोग के महत्व के बारे में शिक्षा मिलती है जिन्हें अक्सर बेकार मान लिया जाता है को रचनात्मक और उपयोगी वस्तुओं में बदलकर उन्हें बहुत अच्छा लगा, जिसको दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है इस एग्जीबिशन में बहुत कुछ जानने को मिला। सूखे फूल को कैसे उपयोग में लाया जा सकता है पोस्टर बनाना सिखा इत्यादि। इस एग्जीबिशन को संचालित कर रही डॉ इंदु सोनी के अलावा महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक गण एवं अतिथि प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गुरु का सांनिध्य ही मोक्ष व कल्याण का मार्ग : ओम प्रकाश निर्मलकर

तिल्दा नेवरा। जिला केंद्रीयकृत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक प्रमाण पत्र परीक्षा जिला रायपुर छत्तीसगढ़ का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मानदास मानिकपुरी, कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री ओम प्रकाश निर्मलकर, विशेष अतिथि खुशबू चौबे अभिभावक, फाउंडर मेंबर दिलीप शर्मा, सचिव स्वप्निल श्रीवास्तव, सहसचिव नारायण शर्मा, प्राचार्य वासुदेव साहू ने मां सरस्वती, मां भारती व ओमकार के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। इस परीक्षा में सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरा का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। परीक्षा विभाग प्रमुख प्यारेलाल वर्मा ने परीक्षा वृत्त प्रस्तुत किया। प्राचार्य वासुदेव साहू ने परीक्षा परिणाम घोषित किया। इस परीक्षा में सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरा के कक्षा पंचम के कुल 53 भैया बहन शामिल हुए। जिसमें 45 भैया बहन उत्तीर्ण हुए। कक्षा का कुल प्रतिशत 92.45 प्रतिशत रहा। कक्षा में प्रथम स्थान-बहन जानवी साहू 93.50%, द्वितीय स्थान रविदास मानिकपुरी 92%, तृतीय स्थान-बहन रूपिका साहू 91.5% रहा। कक्षा अष्टम में कुल 53 भैया बहन परीक्षा में शामिल हुए। जिनमें से 44 भैया बहन उत्तीर्ण हुए। कक्षा का कुल प्रतिशत 83.01% रहा। कक्षा अष्टम में प्रथम स्थान रंजीता निषाद 87.83 %, द्वितीय स्थान अक्षय निर्मलकर 86.17%, तृतीय स्थान -अप्सरा यादव 84.67% रहा । इस अवसर पर श्रीमती खुशबू चौबे ने समस्त सफल भैया बहनों को बधाई दी।

गुरु का सम्मान करना ना भूले

ओम प्रकाश निर्मलकर ने कहा कि इस विद्यालय की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। माता-पिता केवल जन्म देते हैं, जब तक गुरु का सानिध्य प्राप्त नहीं होता, तब तक मनुष्य का कल्याण नहीं होता। मेरे दोनों बच्चे इस स्कूल में कक्षा अरुण से पढ़ रहे हैं। यहां संस्कार, प्यार व व्यवहार मिलता है। मैं सभी आचार्य दीदीयो का धन्यवाद करता हूं। उन्होंने बच्चों से कहा कि चाहे आप कितने भी बड़े हो जाएं आप अपने गुरु का सम्मान करना ना भूले। कक्षा में प्रथम तीन स्थान प्राप्त भैया बहनों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। प्राचार्य श्री वासुदेव साहू एवं विद्यालय के समस्त दीदी आचार्यों ने उत्तीर्ण भैया बहनों को उनकी सफलता पर बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्राचार्य श्री वासुदेव साहू ने कार्यक्रम के समापन के अवसर पर कहा कि जिस घर में जैसे संस्कार मिलते हैं बच्चे वैसे ही बनते हैं। यह घर के संस्कार पर निर्भर करता है। प्राचार्य जी ने सभी आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

नक्सलियों पर कार्रवाई को धनेंद्र ने सराहा डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने किया फोन

रायपुर। नक्सलवाद पर पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष धनेंद्र साहू ने सरकार के साथ होने की बात कही थी। उनके बयान की सराहना करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उन्हें फोन कर इस दिशा में सरकार के प्रयासों से अवगत कराया। श्री शर्मा ने पूर्व पीसीसी अध्यक्ष धनेंद्र साहू से फोन पर नक्सल मुद्दे पर की बातचीत को अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा, धनेंद्र साहू के साथ कांग्रेस के कई नेताओं के नक्सलवाद पर सकारात्मक बातों को सुनकर धन्यवाद देने के लिए फोन किया है। हम सरकार के साथ है और लाल आतंक समाप्त होना चाहिए। इस पर धनेंद्र साहू ने कहा, जो सच्चाई है, वह बोलना ही है। नक्लवाद पर हम सरकार के साथ हैं। पहली बार इतनी कड़ी कार्रवाई हो रही है। विपक्ष का मतलब यह नहीं है कि सही काम का भी विरोध किया जाए। साथ ही विजय शर्मा ने बस्तर ओलिंपिक और बस्तर पुंडम की जानकारी देते हुए बताया कि नक्सल पीड़ित परिवारों के लिए अलग से सर्वे कराकर प्रधानमंत्री आवास प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा बस्तर में शांति की स्थापना के लिए अपना बलिदान देने वालों की स्मृति में बलिदानी स्मारक बनाकर उसमें संगमरमर की मूर्ति लगाई जाएगी।

तामासिवनी कॉलेज में कौशल आधारित पाठ्यक्रम पर कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आरंग

नवीन शासकीय महाविद्यालय तामासिवनी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत कौशल आधारित पाठ्यक्रम पर कार्यशाला का आयोजन 21 अप्रैल से 2 मई के मध्य किया गया। 21 अप्रैल को वनस्पति शास्त्र के अंतर्गत गार्डेनिंग एंड फ्लोरीकल्चर पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पूजा गुप्ता असिस्टेंट प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ फ्लोरीकल्चर एंड लैंडस्केप आर्किटेक्चर आईजीकेवी रायपुर एवं डॉ. अभया जोगलेकर प्राचार्य, शासकीय बद्री प्रसाद लोधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय आरंग ने गार्डेनिंग एवं फ्लोरीकल्चर के विभिन्न आयामों पर विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के प्लांटेशन मेथड व फ्लावर डेकोरेशन करना सिखाया। 23 अप्रैल को हिंदी विषय के अन्तर्गत सम्प्रेषण कला एवं सर्जनात्मक हिंदी कौशल प्रशिक्षण में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पीयूष टान्डेय सहायक प्राध्यापक हिंदी, शासकीय बद्री प्रसाद लोधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय आरंग ने हिंदी में संप्रेषण के विभिन्न प्रकारों पर विस्तृत जानकारी देते हुए सृजनात्मक हिंदी के बारे में जानकारी दी। 29 अप्रैल को जंतुशास्त्र द्वारा वर्मीकल्चर एवं वर्मीकम्पोस्टिंग पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में तुमेश कुमार देशलहरे ने केंचुआ के द्वारा कंपोस्ट बनाने के तरीको को बहुत ही सरल एवं सहज तरीके से समझाया। 02 मई को भौतिकीशास्त्र के अन्तर्गत बेसिक इलेक्ट्रिकल स्किल पर आयोजित कार्यशाला में विभिन्न जानकारी आमंत्रित अतिथि यादराम साहू इलेक्ट्रीशियन गाइड द्वारा दी गई।

बायोप्लास्टिक कोण बनाने की सिखाई विधि

इसी दिन रसायन शास्त्र के अंतर्गत विभा सतपती सहायक प्राध्यापक रसायन, शासकीय बद्री प्रसाद लोधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय आरंग से मुख्य वक्ता के रूप में ग्रीन केमिस्ट्री के अंतर्गत बायोप्लास्टिक कोण को बनाने की विधि सिखाते हुए ग्रीन केमिस्ट्री के महत्व पर प्रकाश डाला। इन कार्यशालाओं में थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल भी कराया गया, जिनसे छात्र छात्रों को बहुत कुछ सीखने मिला। कार्यक्रम के समापन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अभया जोगलेकर ने बच्चों को ये कहा कि आपको इस महाविद्यालय में क्या क्या सिखने मिला। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ रेणु महेश्वरी ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए अपनी प्रतिभा निखारने और रोजगार उन्मुख बनने हेतु प्रेरित किया। वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ आनंद शंकर बहादुर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित थे

रग्बी फुटबॉल चैंपियनशिप में आरंग के तीन खिलाड़ियों का हुआ चयन

आरंग। बिहार में 6 से 9 मई अयोजित होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स राष्ट्रीय रग्बी फुटबॉल चैंपियनशिप में आरंग रग्बी फुटबॉल क्लब के तीन खिलाडी तुलसी सोनवानी, गुंजन वर्मा, शोभा लोधी का चयन छत्तीसगढ़ रग्बी फुटबॉल टीम में हुआ है। हमारे देश के सबसे बड़े खेल मंच खेलो इंडिया यूथ गेम्स में आरंग रग्बी फुटबॉल क्लब के खिलाड़ियों के चयन होने पर आरंग नगर पालिका अध्यक्ष डॉ संदीप जैन, आरंग युवा एवं खेल संगठन संरक्षक योगेन्द्र चन्द्राकार, वरिष्ठ सदस्य वेद प्रकाश देवांगन, अध्यक्ष अमन साहू, आरंग रग्बी फुटबॉल क्लब से सोमनाथ लोधी, वैभव निषाद, हिमांशु लोधी, माता-पिता, नगरवासी सभी सदस्यों और खिलाड़ियों ने बधाई दी।

आठ मई को बिलासपुर में होगी कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पूरे देश में कांग्रेस संविधान बचाओ अभियान चला रही है। छत्तीसगढ़ में इसकी शुरुआत 8 मई को बिलासपुर से होगी। उसके बाद सभी जिला मुख्यालयों और विधानसभा क्षेत्रों में संविधान बचाओ रैली निकाली जायेगी। जिला एवं विधानसभा के बाद कांग्रेस घर-घर तक संविधान बचाओ अभियान लेकर जायेगी। बिलासपुर में होने वाली संविधान बचाओ रैली की तैयारी के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और एआईसीसी सह-सचिव एवं प्रदेश सह-प्रभारी विजय जांगिड़ ने बिलासपुर संभाग के पदाधिकारियों, विधायकों की बैठक ली। बिलासपुर संभाग की रैली के लिए पूर्व मंत्री उमेश पटेल को कांग्रेस का संयोजक बनाया गया है।

आंधी-बारिश से तबाही, ग्रामीण इलाके बेहाल, बिजली आपूर्ति ठप

तिल्दा नेवरा। गुरुवार शाम आंधी-तूफान से कई राइस मिल इंडस्ट्री आदि में भारी नुकसान हुआ है। कोटा में स्थित कृष्णा इंडस्ट्रीज में कई सोलर पैनल और सोलर स्ट्रेक्चर गिर गए है। लाखों का नुकसान यहां हुआ है। इसी तरह से एसएसपोहा एंड गोपाल राईस मिल में रखे धान को भारी नुकसान हुआ है। शेड गिरने से मिल में रखे धान के बोरो में पानी गिरने से लगभग 150 क्विंटल धान के बोरो और मिल में रखे लगभग 1000 बारदाना खराब हो गए। वहीं शेड उखड़कर गिरने से सीताराम अग्रवाल के डेयरी फॉर्म में 8 गायों को चोट आई है, एक गाय की मृत्यु हो गई वहीं 4 मवेशियों के सींग टूट गए। साथ ही परसदा मार्ग पर नीलकमल राइस इंडस्ट्रीज में भी भारी नुकसान हुआ है। वहीं शनिवार को भी ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली शुरू नहीं हो पाई है जिससे ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। तिल्दा नेवरा के ग्रामीण क्षेत्रों का बुरा हाल है।

कार्यालय रा.नि.मं. चंदखुरी,तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर (छ.ग.)

:: आम सूचना ::

जारी दिनांक 03.05.2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अंजय शुक्ला पिता विजयशंकर शुक्ला निवासी रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम मुनगेसर प.ह.नं. 4 राजस्व निरीक्षक मंडल चंदखुरी स्थित भूमि खसरा नंबर 32/44 रकबा क्रमशः 0.0318 हे. भूमि का बटांकन/ सीमांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 01/05/2025 के परिपालन में दिनांक 08/05/2025 को समय अपरान्ह 12.00 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है। अतः उक्त सीमांकन /बटांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा/ आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन /बटांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी नंबर 4 के चंदखुरी स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा/ आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना सम्भव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. चंदखुरी,तहसील मंदिर हसौद

परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थी अपना मनोबल न गिरने दें : डॉ. साहू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आरंग

परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थी के लिए महात्मा गांधी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रीवां के रसायन शास्त्र के व्याख्याता डॉ. बेद लाल साहू ने काउंसलिंग को एक महत्वपूर्ण उपकरण बताया है, जिसका उपयोग परीक्षा में अनुत्तीर्ण या असफल विद्यार्थी के मनोबल को बढ़ाने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के लिए किया जा सकता है। छात्रों को उनकी गलतियों से सीखने और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करके हम उन्हें उनकी सफलता प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। असफल विद्यार्थी को काउंसलिंग के दौरान ध्यान देने योग्य बातें निम्नलिखित है। उन्होंने कहा की छात्रों को यह समझने में मदद करें कि असफलता का मतलब अंत नहीं हैं। असफलता एक सीखने का अवसर है और इससे वह बेहतर बन सकते हैं। छात्रों को अपनी गलतियों को समझने और उनसे बचने के तरीकों को समझने में मदद करें। उन्हें यह बताएं की असफलता से कभी हार नहीं मानना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। छात्रों को रचनात्मक प्रतिक्रिया देकर उन्हें केवल ग्रेड के बजाय सुधार के लिए प्रोत्साहित करें। छात्रों को यह महसूस करने में मदद करें कि वह सुरक्षित है और उन्हें समर्थन दिया जा रहा है।उन्हें बताएं की असफलता एक सीखने का अवसर है और उन्हें हार नहीं माननी चाहिए। जीवन में जिन्होंने असफलता को चुनौती के रूप में स्वीकार किया है वह दोहरी ताकत के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में निरंतर सफलता की एक नए इतिहास रचा है। आप अपने प्रयास में कभी भी कमी आने मत दीजिए, फिर प्रत्येक विद्यार्थी फर्श से अर्श तक चढ़ने में कामयाब होंगे।

खबर संक्षेप

परीक्षा प्रणाली में बदलाव की मांग लेकर छात्रों ने घेरा विवि

रायपुर। छात्रों की शैक्षणिक समस्याओं और मूलभूत सुविधाओं की उपेक्षा के विरोध में एनएसयूआई ने शनिवार को मैट्स कॉलेज का घेराव किया। छात्रों ने परीक्षा माध्यम अनुरूप प्रश्नपत्र प्रदान किए जाने से लेकर अन्य मांगें भी रखी। छात्रों का कहना है कि वे जिस भाषा (माध्यम) में उत्तर लिखते हैं, उन्हें उसी भाषा में प्रश्नपत्र उपलब्ध कराया जाए। विशेष रूप से हिंदी माध्यम के छात्रों को अंग्रेज़ी भाषा में प्रश्न पत्र प्रदान करना अनुचित है। छात्रों के लिए वातानुकूलित कक्षाओं, शुद्ध पेयजल, पर्याप्त प्रकाश और स्थायी वाई-फाई जैसी बुनियादी सुविधाएं भी निर्बाध रूप से उपलब्ध करानी मांग की गई।

प्रीतम ठाकुर ने जोन 8 के अध्यक्ष का पदभार संभाला

रायपुर। महोबा बाजार स्थित जोन 8 कार्यालय में प्रीतम सिंह ठाकुर ने शनिवार को जोन अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया। इस मौके पर रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर, राज्य लौह शिल्पकार विकास बोर्ड अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा सहित एमआईसी सदस्यों, वार्ड पार्षदों ने प्रीतम सिंह ठाकुर को उनके कक्ष में पहुंचकर जोन अध्यक्ष का पदभार संभालने पर बुके देकर स्वागत किया।

रंजय सचिव, सुधीर बने भोजपुरी युवा मोर्चा के कोषाध्यक्ष

रायपुर। अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन रायपुर इकाई के युवा मोर्चा में नई जिम्मेदारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। इस अवसर पर रंजय कुमार सिंह को सचिव और भोजपुरी समाज के सुधीर राय को कोषाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष मुक्तिनाथ पांडेय ने दोनों पदाधिकारियों पर विश्वास जताते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ समाज के हित में कार्य करेंगे। इस अवसर पर विशेष रूप से औरंगाबाद, बिहार के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह उपस्थित रहे। साथ ही रायपुर से संजय श्रीवास्तव, प्रफुल्ल विश्वकर्मा सहित भोजपुरी समाज के अनेक पदाधिकारी व सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

वाष्प नियंत्रक भर्ती परीक्षा आज, मात्र दो केंद्र

रायपुर। छग लोक सेवा आयोग द्वारा वाष्प नियंत्रक भर्ती परीक्षा आज आयोजित की जाएगी। इसके लिए पीएससी को 767 आवेदन मिले हैं। परीक्षा मात्र रायपुर के दो केंद्रों में होगी। प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक यह परीक्षा चलेगी। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के रिक्त पदों में भर्ती के लिए यह परीक्षा हो रही है।

कार्यालय रा.नि.मं. चंदखुरी,तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर (छ.ग.)

:: आम सूचना ::

जारी दिनांक 03.05.2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अंजय शुक्ला पिता विजयशंकर शुक्ला निवासी रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम मुनगेसर प.ह.नं. 4 राजस्व निरीक्षक मंडल चंदखुरी स्थित भूमि खसरा नंबर 32/44 रकबा क्रमशः 0.0318 हे. भूमि का बटांकन/ सीमांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 01/05/2025 के परिपालन में दिनांक 08/05/2025 को समय अपरान्ह 12.00 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है। अतः उक्त सीमांकन /बटांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा/ आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन /बटांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी नंबर 4 के चंदखुरी स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा/ आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना सम्भव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. चंदखुरी,तहसील मंदिर हसौद

डिप्टी सीएम साव ने किया भारतमाला प्रोजेक्ट के निर्माण का औचक निरीक्षण

रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस-वे से छत्तीसगढ़ की जनता को होगा बड़ा लाभ : साव

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव शनिवार को अचानक निर्माणधीन रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेसवे का औचक निरीक्षण करने अभनपुर पहुंचे। यहां उन्होंने निर्माणधीन ओवरब्रिज एवं सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान भारत माला प्रोजेक्ट एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने सबसे पहले अभनपुर में निर्माणाधीन ओवरब्रिज कार्य का औचक निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित अधिकारियों से निर्माण की गुणवत्ता की जानकारी ली। साथ ही कार्य को निर्धारित समय अवधि में पूर्ण करने की बात कही। इस दौरान अधिकारियों ने एक्सप्रेस वे प्रोजेक्ट कार्य की संपूर्ण जानकारी दी। ब्रिज निरीक्षण के बाद ग्राम पंचायत भेलवाडीह के पास पहुंचे, यहां उन्होंने सड़क निर्माण के संबंध पूछताछ की। इस दौरान अधिकारियों से सड़क निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि निर्माण में सभी मानकों का ध्यान रखा गया है।

464 किमी लंबा 6 लेन एक्सप्रेस-वे का अधिकतर कार्य पूरा

गौरतलब है कि, रायपुर से विशाखापट्टनम तक 464 किमी लंबा 6 लेन का एक्सप्रेसवे का अधिकतर कार्य पूर्ण हो गया है। इस एक्सप्रेसवे के जरिए छत्तीसगढ़ से ओडिशा होते हुए आंध्र प्रदेश पहुंच सकेंगे। यह रायपुर को धमतरी, कांकेर, कोंडागांव, कोरापुट और सब्बावरम शहर को जोड़ेगा। यह एक्सप्रेसवे विशाखापट्टनम बंदरगाह पर समाप्त होगा। इसका निर्माण भारतमाला परियोजना के तहत किया जा रहा है।

आर्थिक गलियारा के रूप में होगा विकसित

श्री साव ने निरीक्षण के बाद कहा, भारत सरकार की यह क्रांतिकारी परियोजना है, इसका लाभ प्रदेश की जनता को मिलेगा। इसके बन जाने के बाद विशाखापट्टनम जाने में लंबी दूरी तय करना नहीं पड़ेगा। साथ ही यह आर्थिक गलियारा के रूप में महत्वपूर्ण साबित होगा।

एनसीईआरटी जनरल काउंसिल की बैठक में मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में हुए शामिल

वनमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र में बदलाव पर साय सरकार के विजन पर दी रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

नई दिल्ली में एनसीईआरटी की 59वीं जनरल काउंसिल की बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रतिनिधि के रूप में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप शामिल हुए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में शिक्षा को बेहतर बनाने से संबंधित कई अहम मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में एनडीएमएस सम्मेलन केन्द्र, नई दिल्ली में एनसीईआरटी जनरल काउंसिल की 59वीं बैठक में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, नई शिक्षा नीति-2020 की अनुशंसा के अनुरूप पाठ्य पुस्तकों एवं अन्य शैक्षिक सामग्रियों को तैयार किया गया है, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में और अधिक सुधार हो सके। बैठक में एनसीईआरटी के कई प्रस्तावों को भी अनुमोदित किया गया। वन मंत्री ने बताया कि बस्तर क्षेत्र में स्कूल शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ और बस्तर क्षेत्र ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव पर साय सरकार के विजन पर रिपोर्ट भी दी।

ड्रापआउट में आई कमी

वन मंत्री ने बताया कि बस्तर के सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा जिला के कई इलाकों में ड्रॉपआउट दर में कमी आयी है। जो विद्यार्थी किसी कारणवस स्कूल छोड़ दिए थे उन्हें विष्णुदेव साय सरकार अभियान चलाकर पुनः स्कूल प्रवेश कराने का कार्य कर रही है। ड्रॉपआउट दर में कमी लाने के लिए पोर्टा केबिन की शुरुआत, केजी से पीजी तक मुक्त आवासीय शिक्षा के लिए शिक्षा नगरी की स्थापना की, छू-लो आसमान, लक्ष्य जैसी पहलों के माध्यम से आदिवासी युवाओं को अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

स्मार्ट क्लासेस और नवाचार

वन मंत्री ने बताया की आधुनिक दौर में आधुनिक और तकनिकी ज्ञान आवश्यक है इस दृष्टी से भी हमारी सरकार स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस, टिंकलिंग लैब्स और वर्चुअल शिक्षा जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा, शिक्षण को अधिक रोचक और प्रभावी बनाने के लिए नवाचार किए जा रहे हैं। शिक्षक-छात्र संबंधों को मजबूत करने के लिए साय सरकार ने शिक्षकों और छात्रों के मध्य बेहतर संवाद और सामंजस्य के लिये स्कूल में छोटे छोटे कार्यक्रम, काउंसलिंग प्रोग्राम कराने के निर्देश दिये हैं।

शिक्षा से स्वालंबन की दिशा में प्रयास

मंत्री श्री कश्यप ने कहा, वर्तमान समय में रोजगार उनमुखी शिक्षा की आवश्यकता है। इसलिए साय सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से पुरे प्रदेश में रोजगार उनमुखी शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रही है। शिक्षा के साथ हमारे प्रदेश के युवा पीढ़ी स्व रोजगार हो यह सरकार का विजन है।

तेंदूपत्ता बोनस की राशि का गबन, राज्यपाल को नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने लिखा पत्र

तेन्दूपत्ता संग्राहकों के साथ लगभग 8 करोड़ का गबन : डॉ. महंत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने राज्यपाल रामेन डेका को तेंदूपत्ता बोनस की करोड़ों की राशि की अफरातफरी के संबंध में पत्र में लिखा है। उन्होंने मांग की है कि अनुसूचित क्षेत्र सुकमा वनमंडल के 67732 तेन्दूपत्ता संग्राहक

परिवारों के वर्ष 2021 और 2022 के तेन्दूपत्ता बोनस की राशि 8,21,89,273 रुपये का गबन करने वाले अपराधियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई करने के लिए निर्देशित करें। नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने राज्यपाल से कहा, इस प्रकरण में विशेष रुचि लेकर आवश्यक कार्यवाहियां करें।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने अपने पत्र में लिखा कि अनुसूचित क्षेत्र बस्तर के वनमंडल सुकमा के 67732 आदिवासी तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों के प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) की राशि 8,21,89,273 रुपये का गबन करने की एक घटना हाल ही में प्रकाश में आई है। मामले में राज्य सरकार की कार्यवाही अत्यधिक निराशाजनक है। वन मंडल सुकमा के अन्तर्गत आने वाली समस्त 25 प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों तथा वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा घोटाला किया गया है। अब तक केवल एक अधिकारी का निलंबन और गिरफ्तारी की गई है, जो कतई पर्याप्त नहीं है। इसमें सभी आरोपियों के विरुद्ध तत्काल आपराधिक कृत्यों के लिए के लिए सेवा नियमों के अंतर्गत कार्रवाई करने के लिए राज्य सरकार को निर्देश देने का कष्ट करेंगे।

वितरण किए बिना विभाग को दी गलत जानकारी

उन्होंने कहा, वनमंडल सुकमा अन्तर्गत 67,732 आदिवासी परिवारों को तेन्दूपत्ता संग्रहण वर्ष 2021 तथा 2022 के लिए अतिरिक्त पारिश्रमिक (बोनस) 4,51,50,388 तथा 3,70,38,885 कुल राशि रुपए 8,21,89,273.00 का वितरण एक साथ वर्ष 2023-24 में नगद रूप में किया जाना था। यह राशि वनमंडल सुकमा के डीएफओ. को भेजी गई थी। परंतु नियमों तथा पात्रता के अनुसार इस राशि का वितरण संग्राहकों को नहीं किया गया और प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों के पोषक अधिकारी, प्रबंधक तथा डीएफओ द्वारा मिलकर आपराधिक षड़यंत्र पूर्वक गबन कर लिया गया। लघु वनोपज संघ तथा विभाग को अवगत करा दिये कि 2024-25 मे शत प्रतिशत बोनस वितरण कर दिया गया है।

विधानसभा में दी गलत जानकारी, लोक सेवकों पर हो कार्रवाई

विधान सभा के बजट सत्र फरवरी-मार्च 2025 में सदन के पटल पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करके वन मंडल सुकमा में शत प्रतिशत बोनस वितरण किये जाने की जानकारी वन मंत्री के द्वारा दी गई। पूरे प्रदेश में 12,50,000 तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवार हैं, इनको कुल 2,50,78,57,670 रुपए बोनस वितरण किया जाना था। विधान सभा के पटल पर बोनस वितरण की असत्य जानकारी रखने के लिए उत्तरदायी लोक सेवकों के विरूद्ध समुचित कार्यवाही की जाए।

शिकायत की जांच में खुला मामला

डॉ. महंत बताया कि, कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्त्ताओं की सतर्कता के कारण बोनस वितरण नहीं करने की शिकायत होने पर कराई गई जांच में यह पाया गया कि बोनस की राशि का वितरण किया ही नहीं गया है। तब बड़े पैमाने पर छापे मारे गये और केवल एक अधिकारी को निलंबित किया गया और एफआईआर दर्ज करके गिरफ्तार किया गया।

राशि पुनः जारी कर कराया जाए वितरण : प्रकरण को लेकर डॉ. महंत ने राज्यपाल से आग्रह किया है कि 1.67,732 गरीब आदिवासी तेन्दूपत्ता संग्राहकों के बोनस की जितनी राशि का गबन अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने किया है, उतनी राशि लघु वनोपज संघ द्वारा पुनः जारी करके पात्रतानुसार बोनस का वितरण सर्वोच्च प्राथमिकता पूर्वक करवाया जाए।

नक्सलियों पर कार्रवाई को धनेंद्र ने सराहा डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने किया फोन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

नक्सलवाद पर पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष धनेंद्र साहू ने सरकार के साथ होने की बात कही थी। उनके बयान की सराहना करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उन्हें फोन कर

इस दिशा में सरकार के प्रयासों से अवगत कराया। श्री शर्मा ने पूर्व पीसीसी अध्यक्ष धनेंद्र साहू से फोन पर नक्सल मुद्दे पर की बातचीत को अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा, धनेंद्र साहू के साथ कांग्रेस के कई नेताओं के नक्सलवाद पर सकारात्मक बातों को सुनकर धन्यवाद देने के लिए फोन किया है। हम सरकार के साथ है और लाल आतंक समाप्त होना चाहिए। इस पर धनेंद्र साहू ने कहा, जो सच्चाई है, वह बोलना ही है। नक्लवाद पर हम सरकार के साथ हैं। पहली बार इतनी कड़ी कार्रवाई हो रही है। विपक्ष का मतलब यह नहीं है कि सही काम का भी विरोध किया जाए। साथ ही विजय शर्मा ने बस्तर ओलिंपिक और बस्तर पुंडम की जानकारी देते हुए बताया कि नक्सल पीड़ित परिवारों के लिए अलग से सर्वे कराकर प्रधानमंत्री आवास प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा बस्तर में शांति की स्थापना के लिए अपना बलिदान देने वालों की स्मृति में बलिदानी स्मारक बनाकर उसमें संगमरमर की मूर्ति लगाई जाएगी। इस तरह से 500 से अधिक बलिदानी स्मारक बनाया जाएगा।

नक्सल समस्या पर हम सब एक

उप मुख्यमंत्री ने कहा, एक विषय पर एक साथ बैठकर चर्चा कर पूरी दुनिया को संदेश दे देंगे कि कुछ भी हो जाए, इस विषय पर हम सब एक साथ हैं। झीरम घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, वे स्वयं इस बार स्थल पर जाकर अपनी जान गंवाने वाले नेताओं को श्रद्धांजलि स्वरूप पुष्प अर्पित करेंगे। धनेंद्र साहू ने इस पर कहा, यह एक ऐसी चीज है कि जो पार्टी से अलग हटकर है।

मूणत ने कोटा में किया शासकीय नवीन महाविद्यालय का शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

रायपुर पश्चिम को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई सौगात मिली है। कोटा में शासकीय नवीन महाविद्यालय की स्थापना के लिए शिलान्यास समारोह का आयोजन किया गया। शीतला तालाब स्थित बड़ा सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री और रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत शामिल हुये। श्री मूणत ने इस मौके पर कहा कि कोटा ही नहीं, पूरे रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, जल निकासी और युवाओं के लिए कौशल विकास के क्षेत्रों में व्यापक बदलाव लाया जा रहा है। हम प्रयास करेंगे कि महाविद्यालय की बिल्डिंग एक वर्ष के अंदर बनकर तैयार हो जाये। नगर निगम जोन 8 क्षेत्र के कोटा में युवाओं की उच्च शिक्षा के लिए शासकीय नवीन महाविद्यालय की स्थापना की जायेगी। शिलान्यास समारोह शनिवार को हुआ। इस मौके पर राजेश मूणत ने कहा, भाजपा की अब डबल नहीं ट्रिपल इंजन की सरकार केंद्र, राज्य और स्थानीय निकाय जनता की आकांक्षाओं को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह नवीन महाविद्यालय न केवल कोटा, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी मजबूती देगा। प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी छात्र संसाधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित न रह जाये। कार्यक्रम में उपस्थित महापौर मीनल चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि भावी पीढ़ी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके, इसके लिए यह महाविद्यालय एक महत्वपूर्ण कदम है। शहर का हर कोना, हर बच्चा शिक्षा से जुड़ सके, यही हमारी प्राथमिकता है। नगर निगम की ओर से हम हर आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर ने इस मौके पर कहा, कोटा में इस महाविद्यालय का आरंभ होना न केवल शैक्षणिक विकास का संकेत है, बल्कि यह सामाजिक समरसता और अवसरों की समानता का प्रतीक भी है। यह निर्णय स्थानीय युवाओं के भविष्य को नई दिशा देगा। कार्यक्रम में राज्य लौह शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा, लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल, पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग अध्यक्ष भोलाराम साहू, विद्युत एवं अभियांत्रिकी विभाग अध्यक्ष सुमन-अशोक पांडे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री चंद्राकर, जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, जोन 1 अध्यक्ष गज्जू साहू, जोन 7 अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा, रामकृष्ण परमंहस वार्ड पार्षद अमन सिंह ठाकुर, स्वामी आत्मानंद वार्ड पार्षद आनंद अग्रवाल, पूर्व पार्षद ओंकार बैस, सनत बैस, गोपी साहू, आशीष अग्रवाल, बजरंग खंडेलवाल, शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी की प्राचार्य डॉ. मधुलिका अग्रवाल, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता राजेश नशीने, प्रभारी अपर आयुक्त कृष्णा खटिक, जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल सहित गणमान्य जन, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांवों के वैद्यों का ज्ञान, बैगा-गुनिया की विरासत बनेगी प्रदेश की शक्ति

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, किसानों के लिए औषधि पौधों का प्लांटेशन करना, इसको बेचना बहुत ही फायदेमंद होगा। आज किसान धान की खेती करते हैं। एक एकड़ में धान से आय प्राप्त होती है, औषधि पौधे जब खेतों में लगाएंगे तो एक एकड़ में धान से कई गुना आय प्राप्त होगी। श्री साय शनिवार को छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वस्थ परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड का गठन हमारी पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने डॉ रमन सिंह के कार्यकाल में किया गया है।

संविधान बचाओ रैली के लिए बिलासपुर संभाग के नेताओं की बैठक हुई

आठ मई को बिलासपुर में होगी कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पूरे देश में कांग्रेस संविधान बचाओ अभियान चला रही है। छत्तीसगढ़ में इसकी शुरुआत 8 मई को बिलासपुर से होगी। उसके बाद सभी जिला मुख्यालयों और विधानसभा क्षेत्रों में संविधान बचाओ रैली निकाली जायेगी। जिला एवं विधानसभा के बाद कांग्रेस घर-घर तक संविधान बचाओ अभियान लेकर जायेगी। बिलासपुर में होने वाली संविधान बचाओ रैली की तैयारी के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और एआईसीसी सह-सचिव एवं प्रदेश सह-प्रभारी विजय जांगिड़ ने बिलासपुर संभाग के पदाधिकारियों, विधायकों की बैठक ली। बिलासपुर संभाग की रैली के लिए पूर्व मंत्री उमेश पटेल को कांग्रेस का संयोजक बनाया गया है। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, कांग्रेस संविधान बचाओ अभियान को घर-घर लेकर जायेगी। उन्होंने कहा, संविधान बचाओ अभियान का उद्देश्य मोदी सरकार द्वारा संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर किये जा रहे लगातार हमलों, प्रतिशोध की राजनीति, आर्थिक कुप्रबंधन और सामाजिक न्याय के प्रणालीगत हनन का मुकाबला करना है। यह अभियान आम नागरिक की आवाज को बुलंद करेगा, जमीनी स्तर की चिंताओं को उजागर करेगा और हमारे संविधान में निहित मूल्यों पर फिर से जोर देगा।

भविष्य के लिए लड़ने एकजुट: जांगिड़ एआईसीसी सह-सचिव एवं सह-प्रभारी विजय जांगिड़ ने कहा, इस अभियान के माध्यम से हम संविधान की रक्षा करने स्वतंत्रता, समानता और न्याय के मूल्यों को बनाये रखने और हम भारतीय के अधिकारों, सम्मान और भविष्य के लिये लड़ने के लिये एकजुट हैं।

हरिभूमि
रायपुर भूमि

■ तूफान में ताश के पत्तों की तरह ढह गया था तरपोंगी का टोल प्लाजा

■ टोल लेना बंद नहीं किया, बाकी बोर्ड का अता पता नही

टोल प्लाजा का हाल बेहाल...कंपनी मालामाल खुले आसमान, बिना संसाधन हो रही वसूली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/धरसींवा

रायपुर के धरसींवा स्थित तरपोंगी टोल प्लाजा की छत को दो दिन पहले आए आंधी-तूफान ने ताश के पत्तों की तरह ढह गई। पूरा प्लाजा ही तहस-नहस हो गया। हालत यह है कि यहां करोड़ों रुपए की लागत से बना लोहे का शेड अब भी सड़क किनारे बिखरा पड़ा है। जानकारी देने वाले सारे बोर्ड उड़ गए हैं। नीति

और नियम की जानकारी देने संकेतक सड़क किनारे पड़े हैं। लेकिन टोल प्लाजा पर टैक्स वसूली बदस्तूर जारी है। तेज धूप में सिस्टम के खराब होने का खतरा मंडरा रहा है, बिना छत के कर्मचारी भीषण गर्मी में काम करने को मजबूर है।

सूत्रों के अनुसार यह नियमों का खुला उल्लंघन है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के स्पष्ट निर्देश है कि टोल प्लाजा पर यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचा होना चाहिए। छत का ढह जाना न केवल ▶▶| शेष पेज 14 पर

वीआईपी को छूट, आम नागरिकों पर रोकटोक

तूफान में टोल प्लाजा के तहस नहस हो जाने के बाद छूट का लाभ सिर्फ विशिष्ट लोगों तक ही सीमित है। पुलिसकर्मी, विधायक और सांसद बिना किसी रोक-टोक के टोल प्लाजा से गुजर रहे हैं, जबकि आम नागरिकों से वसूली की जा रही है।

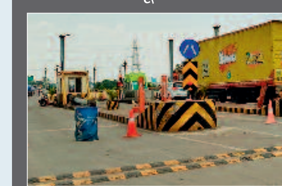

मरम्मत में एक माह लग सकता है

आंधी-तूफान में तरपोंगी टोल में सेड उड़ कर सड़कों पर आ गिरा है। इसकी मरम्मत में लगभग दो माह लगेंगे। इस बीच सिर्फ वीआईपी को छूट मिलेगी, आम आदमी को अगर छूट चाहिए तो पास बनाना पड़ेगा, जो एक माह के लिए ही लागू होगा।

- राहुल सिन्हा
मैनेजर टोल प्लाजा
तरपोंगी धरसींवा

खबर संक्षेप

सूने मकान में धावा 60 हजार की चोरी

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक युवती ने अज्ञात चोर के खिलाफ उसके सूने मकान का ताला तोड़कर नकदी 15 सौ रुपए सहित 60 हजार रुपए के सोने के जेवर चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। संतोषी नगर निवासी सुनीता निर्मलकर ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। सुनीता ने पुलिस को बताया कि गुरुवार को वह काम पर गई थी। शाम के समय उसकी मां किराना दुकान सामान लेने गई थीं। इस दौरान अज्ञात चोर उसके मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने के जेवर तथा नकदी चोरी कर ले गया।

दो बाइक की टक्कर, युवक की मौत, भाई घायल

रायपुर। आरंग थाना क्षेत्र में एक बाइक चालक ने दूसरे बाइक को ठोकर मार दी। हादसे में दूसरे बाइक के चालक के सिर तथा शरीर के अन्य भागों पर गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार गुरुवार को भुनेश कुर्रे अपने भाई चेतन के साथ आरंग से लिंगाडीह गांव जा रहा था। बाइक भुनेश चला रहा था। एनएच 53 पर बाइक सीजी-06 जीटी-5492 के चालक ने लापरवाही से बाइक चलाते हुए भुनेश की बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने की वजह से बाइक चला रहा भुनेश तथा उसका भाई गिर गए, जिससे भुनेश की मौके पर ही मौत हो गई। उसके भाई चेतन को भी चोटें आई हैं।

चाकू से दहशत फैलाते दो बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। चाकू लेकर मोहल्ले में लोगों को आतंकित करते दो बदमाशों को शुक्रवार को खमतराई पुलिस ने गिरफ्तार किया। इनमें आरोपी लाला देवार निवासी देवार डेरा बंजारी नगर को मोहल्ले में चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित करते पकड़ा गया है। लाला पहले भी चोरी एवं मारपीट के प्रकरणों में जेल जा चुका है। दूसरा आरोपी प्रशांत डोमरे खमतराई निवासी है।

व्यवस्था सुधारने तीसरे दिन भी जुटा रहा नगर निगम और बिजली विभाग का अमला

48 घंटे बाद भी कहीं बिजली बंद, कहीं तारों पर लटकते व सड़कों पर टूटे पेड़ हटे नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी रायपुर में गुरुवार शाम को आई आंधी के बाद से बिगड़ी व्यवस्था 48 घंटों के बाद भी सुधर नहीं पाई है। शहर में शनिवार को भी सुबह से शाम तक कई इलाकों में आंधी से टूटे पेड़ कहीं सड़कों पर गिरे पड़े मिले, तो कहीं बिजली के तारों पर झूलते व लटकते मिले। वहीं कहीं-कहीं क्षतिग्रस्त हुए विद्युत पोल भी सुधारे नहीं गए हैं। इस कारण कई इलाकों में तीसरे दिन भी बिजली आपूर्ति बंद रही, जिससे लोग बिजली के साथ पानी की समस्या से भी जूझते रहे। इधर नगर निगम और बिजली विभाग का अमला तीसरे दिन भी व्यवस्था सुधारने में जुटा रहा, लेकिन दोपहर बाद फिर मौसम अचानक बदल गया और बारिश होने से सुधार कार्य में लगे अमले भी काम अधूरा छोड़कर लौट गए, जिसके कारण कई इलाके में 48 घंटे बाद भी तारों पर लटके एवं सड़कों पर पड़े पेड़ हटाए नहीं जा सके हैं। इधर बेमौसम बारिश के कारण भी कई ऐसे इलाकों में फिर बिजली बंद हो गई, जहां व्यवस्था सुधार ली गई थी।

हरिभूमि ने तीसरे दिन भी शहर का मुआयना किया और आंधी के कारण फैली अव्यवस्था में कितना सुधार हुआ है, इसकी पड़ताल की। इस ▶▶| शेष पेज 14 पर

केस 1

पोल हटा, नया लगा नहीं

टैगोर नगर में इंडेन गैस एजेंसी के पास मुख्य सड़क पर एक विद्युत पोल टूटकर सड़क पर लटक रहा है। पोल के साथ बिजली तारें एवं पेड़ की टहनियां भी हवा में लटक रही हैं। इस पोल को सुधारने के लिए बिजली विभाग में सूचना दिए दो दिन हो चुका है, लेकिन टीम तीसरे दिन दोपहर में यहां पहुंची। इस दौरान टीम ने पोल के साथ सड़क पर झूलते तार एवं पेड़ की टहनियों को हटाकर साइड कर दिया है, लेकिन नया पोल अभी तक लगाया नहीं गया है।

केस 2

दो दिन से एटीएम का उपयोग नहीं

टैगोरनगर में देवी लक्ष्मी हास्पिटल के पास एसबीआई एटीएम सेंटर के बगल में लगे एक पेड़ की बड़ी टहनी टूटकर एटीएम के दरवाजे के सामने गिर गई है। इस टहनी को हटाने के लिए अमला तीसरे दिन दोपहर करीब 12 बजे पहुंचा था। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद इस टूटी टहनी को काटकर यहां से हटाया गया। इस टूटी टहनी का एक हिस्सा सड़क पर और दूसरा पेड़ पर लटका हुआ था। इस कारण पिछले दो दिन से लोग इस एटीएम का भी उपयोग नहीं कर पा रहे थे।

केस 3

पुलिस लाइन कालोनी स्थित लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र रायपुर के मुख्य अभियंता कार्यालय के सामने सड़क के दोनों तरफ टूटे हुए पेड़ पड़े हुए हैं। इन पेड़ों को तीसरे दिन भी उठाया नहीं गया है।

केस 4

विद्युत मंडल के अफसर के घर के सामने सड़क से उठ नहीं पाया टूटा पेड़

टैगोर नगर में ही देवीलक्ष्मी हास्पिटल से माध्यमिक शिक्षा मंडल जाने वाले मार्ग पर तीसरे दिन भी जगह-जगह टूटे पेड़ सड़कों पर पड़े मिले। इन पेड़ों को 48 घंटों के बाद भी हटाया नहीं गया है। एक पेड़ तो छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के अफसर ▶▶| शेष पेज 14 पर

बिगड़ैल मौसम, 60 किमी की गति से आंधी के साथ बारिश आधा दर्जन फ्लाइट डायवर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ शहर में डेढ़ घंटे में ढाई सेमी. बारिश, ओले भी पड़े, माना में हवा की रफ्तार ज्यादा

बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी और पश्चिमी विक्षोभ के असर से शनिवार को मौसम ने एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाया। 50-60 किमी प्रतिघंटे की गति से चली तेज हवा के साथ शहर में करीब डेढ़ घंटे तक जमकर बारिश हुई और कुछ इलाकों में ओलावृष्टि भी हुई। गरज-चमक के साथ हुई ढाई सेमी. बरसात से शहर की नालियां ओवरफ्लो हो गईं। माना में बारिश से ज्यादा हवा का प्रभाव रहा, जिससे आधा दर्जन फ्लाइट को नागपुर और इंदौर डायवर्ट किया गया। रायपुर के साथ बिलासपुर, जीपीएम और रायगढ़ में जमकर आंधी, बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई।

प्रदेश में सप्ताहभर से बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी ने भारी गर्मी को गायब कर दिया है। इतना ही नहीं, दोपहर बाद बदलने वाले मौसम ने आम जनजीवन को भी बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। गुरुवार को चली आंधी ने जमकर तबाही मचाई और रही सही कसर शनिवार को बदले मौसम ने पूरा कर दिया।

यह फ्लाइट हुई डायवर्ट

माना विमानतल क्षेत्र में आंधी दोपहर से ही अपना असर दिखानी लगी थी, जिसकी वजह से दिल्ली, चेन्नई, भुवनेश्वर, मुंबई, हैदराबाद के साथ हैदराबाद से जगदलपुर आने वाली फ्लाइट को नागपुर और इंदौर एयरपोर्ट पर उतारा गया। मौसम सामान्य होने के बाद उन्हें रायपुर लाया गया और सभी विमानों की वापसी अपने निर्धारित समय से डेढ़ से दो घंटे विलंब से हुई। विमान के यात्रियों को इसकी वजह से काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इन इलाकों में भरा पानी

शहर में हुई तेज बारिश की वजह से समता कालोनी मुख्य मार्ग, डगनिया, सुंदर नगर, शांति विहार कालोनी, भाठागांव रिंगरोड, फतेहशाह मार्केट, श्याम टाकीज रोड बूढ़ापारा, टिकरापारा, राजेन्द्र नगर सर्विस रोड, अमलीडीह, ओसीएम चौक, बैजनाथ पारा, जयस्तंभ चौक के आसपास इलाकों में पानी भर गया। इसके अलावा नालियों में कचरे की वजह से गंदा पानी बाहर आ गया। गंदे पानी और कचरे से उठने वाली बदबू से भी लोग परेशान होते रहे।

नाबालिगों से कराई गांजा की बिक्री, तेलीबांधा में पुलिस ने मारा छापा, चार किए गए रेस्क्यू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रतिबंधित होने के बाद राजधानी रायपुर में गांजा का लगातार तस्करी से लेकर खरीदी-बिक्री हो रही है। इस नशीले कारोबार में लिप्त लोग अब इस कारोबार में नाबालिग लड़कों व लड़कियों को भी धकेल रहे हैं तथा उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग को तेलीबांधा क्षेत्र में ऐसे ही नाबालिगों के माध्यम से गांजा बेचे जाने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर विभाग ने बाल संरक्षण एवं ▶▶| शेष पेज 14 पर

मुखबिर की सूचना पर छापा

महिला एवं बाल विकास विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तेलीबांधा क्षेत्र अंतर्गत देवार बस्ती में कुछ लोगों द्वारा नाबालिगों से गांजा बिक्री का काम कराया जा रहा है। नाबालिगों में लड़कों के अलावा कुछ लड़कियां भी है। इस सूचना के बाद विभाग ने गांजा बिक्री में शामिल बच्चों को रेस्क्यू करने की योजना बनाई। इसके लिए टीम गठित की ▶▶| शेष पेज 14 पर

रात में चुनिंदा जगहों पर करते थे गांजा की बिक्री

विभागीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि विभाग ने जिस क्षेत्र में कार्रवाई की है। उस क्षेत्र में रात 10 से 12 बजे के दौरान ही गांजा की बिक्री की जाती थी। क्षेत्र में गांजा की बिक्री कुछ चुनिंदा जगहों पर ही किया जाता है। टीम ने इन्हीं चुनिंदा जगहों से ही नाबालिगों को रेस्क्यू किया है।

गांज के साथ चार नाबालिकों को किया रेस्क्यू

मुखबिर की सूचना मिली थी कि तेलीबांधा क्षेत्र में नाबालिगों से गांजा की बिक्री कराई जा रही हैं। इस सूचना पर संयुक्त टीम ने देर रात को छापा मारकर चार लड़कों को रेस्क्यू किया है। उनके कब्जे से गांजा बरामद किया है। सभी को फिलहाल बालगृह में रखा गया है।

शैल ठाकुर, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग

चारों लड़कों के विरुद्ध होगी एफआईआर

चारों नाबालिकों को टीम ने गांजा के साथ पकड़ा है, इसलिए इस मामले में उनके विरुद्ध एफआईआर भी होगी। इधर एक ओर जहां गांजा बेचने के अपराध में नाबालिगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी विभाग कर रहा है, वहीं दूसरी ओर पुलिस भी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वे कौन लोग हैं जो उनसे यह काम करा रहे हैं। फिलहाल इस मामले में जांच की जा रही है।

हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट लगाने तीन लाख आवेदन, फिटमेंट में हो रही देर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अप्रैल 2019 के पूर्व राज्य में 52 लाख वाहन आरटीओ कार्यालय में पंजीकृत हैं। उन सभी वाहनों में अनिवार्य रूप से हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) लगवाना अनिवार्य है। सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश के बाद परिवहन विभाग पुराने वाहन मालिकों को एचएसआरपी लगवाने जनजागरूकता अभियान चला रहा है। ▶▶| शेष पेज 14 पर

दो फर्जी वेबसाइट चिन्हांकित

एचएसआरपी लगवाने के नाम पर लोगों को ठगी का शिकार बनाने परिवहन विभाग को दो फर्जी वेबसाइट के बारे में जानकारी मिली है। उनमें एक वेबसाइट बुकिंग माय एचएसआरपी डॉट काम तथा दूसरा बुक माय एचएसआरपी डॉट काम है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

अच्छी ग्रेडिंग के बदले लेन-देन का मामला आया था सामने

नैक निरीक्षण टीम में शामिल 700 प्राध्यापक बाहर, पद्धति में बदलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

यूजीसी द्वारा नैक ग्रेडिंग के लिए निरीक्षण टीम में शामिल आधे से अधिक प्राध्यापकों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। ये कार्रवाई नैक ग्रेडिंग के लिए लेन-देन संबंधित शिकायत सामने आने के बाद की गई है। नैक ग्रेडिंग के लिए बनाए गए पैनल में लगभग एक हजार प्राध्यापक शामिल थे। इनमें से 700 को बाहर का रास्ता दिखाया गया है। इसके अलावा इस पैनल के लिए नई नियुक्तियां भी फिलहाल नहीं हो रही हैं। गौरतलब है कि मौजूदा शैक्षणिक सत्र में अच्छे नैक ग्रेडिंग के बदले ▶▶| शेष पेज 14 पर

छग में भी सामने आया था मामला यूजीसी नए सिरे से करेगी भर्ती

NAAC
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

नई नियुक्तियों की सूचना नहीं

पहले जो प्राध्यापक नैक में सदस्य थे, उनमें से 700 को निकाल दिया गया है। नई नियुक्तियां कब होंगी, इसे लेकर कोई अपडेट जारी नहीं किया गया है।

- डॉ.देवाशीष मुखर्जी
प्राचार्य, महंत महाविद्यालय

ऐसे होता है टीम का गठन

नैक द्वारा देशभर के महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों सहित सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों को ग्रेडिंग प्रदान की जाती है। इसके लिए नैक विशेष रूप से देशभर से योग्य प्राध्यापकों का चुनाव कर उनका पैनल तैयार करता है। जिस संस्थान में नैक ग्रेडिंग होनी है, उस संस्थान की प्रकृति के अनुसार इन प्राध्यापकों में से टीम बनाकर भेजी जाती है। ये टीम ही तय करती है कि संबंधित संस्थान को कौन सा ग्रेड प्रदान किया जाना है। प्राध्यापकों के इस पैनल में शामिल होने के लिए आवेदन करने प्रक्रिया यूजीसी द्वारा निर्धारित है। किसी महाविद्यालय में प्राचार्य होने के साथ-साथ अन्य शर्तें भी इसके लिए जोड़ी गई है।

पैरामेडिकल एवं नर्सिंग पाठ्यक्रम में चयन हेतु आवेदन आमंत्रित

छः महीना / एक वर्षीय / द्विवर्षीय सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स के लिए आवेदन आमंत्रित

कार्यालय संचालक, केंद्र क्रमांक 86549 मॉडर्न इंस्टिट्यूट ऑफ़ पैरामेडिकल साइंस MIPS रायपुर, (छ.ग.)

निम्न तालिका अनुसार छ.ग. के विभिन्न जिलों में कक्षा 10 वीं 12वीं के प्राप्तांकों के अनुसार पैरामेडिकल संस्था द्वारा संचालित विभिन्न पैरामेडिकल एवं नर्सिंग सहयोगी पाठ्यक्रम सत्र (2025-26) में प्रवेश, एवं सर्टिफिकेट हेतु आवेदन आमंत्रित है।

(उपलब्ध एवं प्रस्तावित विभिन्न जिलों के प्रशिक्षण केन्द्रों के नाम, पाठयक्रम एवं कुल सीटे)*

केंद्रो की सूचि	मेडिकल लैब टेक्नीशियन	ओटी टेक्नीशियन	नर्सिंग अस्टिटेंट/ नर्सिंग सुपरवाइजर	डिप्लोमा इन डायलिसिस	डिप्लोमा इन योगा टेक्नीशियन	ड्रेसर/ वार्ड ब्वाय
रायपुर	40 सीट	20 सीट	30 सीट	30 सीट	30 सीट	30 सीट
धमतरी	30 सीट	20 सीट	20 सीट	20 सीट	20 सीट	30 सीट
बिलासपुर	40 सीट	30 सीट	30 सीट	30 सीट	30 सीट	30 सीट
सरायपाली	30 सीट	20 सीट	20 सीट	20 सीट	20 सीट	30 सीट
जांजगीर	30 सीट	20 सीट	20 सीट	20 सीट	20 सीट	30 सीट

आवेदन हेतु 10वीं 12 वीं कक्षा (किसी भी विषय) में न्यूनतम प्रतिशत :- अनु. जनजाति 42%, अनु. जाति हेतु 45%, अन्य पिछड़ा वर्ग 50%, सामान्य वर्ग 55% या अधिक। विकलांग सैनिक / स्व. संग्राम सैनानि वर्ग के उम्मीदवारो हेतु निर्धारित सीटे आरक्षित है।

नोट :- 1. आवेदक, निम्न दिये गए आवेदन पत्र के प्रारूप को कम्प्युटर द्वारा टाइप कराकर अपना पूर्ण विवरण स्पष्ट से भरे । साथ ही 25 रुपये का डाक टिकट लगा हुआ 10x4 का सफेद लिफाफे मे अपना स्वयं का पता स्पष्ट लिख कर स्पीड पोस्ट द्वारा कार्यालय के निम्न पते पर भेजे। (आवेदन पोस्ट द्वारा नियत तिथि एक ही स्वीकार किया जाएगा) **2.** चयनित उम्मीद्वारों को कॉल लेटर द्वारा काउन्सलिंग हेतु सुचित किया जाएगा। **3.** केवल आवेदक ही काउंसिंग हेतु पात्र होंगे। **4.** 10वीं / 12वीं. ओपन परीक्षा दिए हुए विद्यार्थी भी आवेदन कर सकते है। **5.** किसी भी जिले के विद्यार्थी किसी भी जिले के लिए आवेदन कर सकते है।

आवेदन पत्र डाक द्वारा भेजने की अंतिम तिथि : 30/05/2025 तक
आवेदन पत्र कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि : 10/06/2025 तक

आवेदन हेतु पात्रता

प्रति,
संचालक
शाखा प्रबंधक केंद्र क्रमांक 86549
मॉडर्न इंस्टिट्यूट ऑफ़ पैरामेडिकल साइंस रायपुर, (छ.ग.)
पिनकोड- 492013

महोदय____________________पाठ्यक्रम में चयन हेतु में अपना आवेदन प्रस्तुत कर रहा रहीं हूं।
आवेदक का नाम____________________
पिता/पति____________________ जन्म तिथि____________________
वर्ग अनुज जाति__________अनु जाति__________ अन्य पि. वर्ग__________
सामान्य__________पत्र व्यवहार का पता____________________
____________________ पिन कोड__________
मो. नं.____________________बाट्सअप नं____________________
पालक का मो. न____________________ कक्षा 12वीं उत्तीर्ण वर्ग____________________
में प्राप्त अंक__________ कुल प्रतिशत__________मार्गदर्शन हेतु दूरभाष नं.__________
हस्ताक्षकर____________________ पालक का हस्ताक्षर____________________

कार्यालय का पूरा पता। क्षेत्रीय कार्यालय, मॉडर्न इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंस (MIPS) जलगृह मार्ग, शीतला चौक के पास भाटागांव रायपुर, (छ.ग.)

एसीआई के कैथलैब में पहली बार लेजर कट एंजियोप्लास्टी, देशभर के कार्डियोलॉजिस्ट बने गवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आंबेडकर अस्पताल के एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट में 70 साल के मरीज के हृदय की नस में जमे कैल्शियम को काटकर एंजियोप्लास्टी की प्रक्रिया पूरी की गई है। पहली बार कैथलैब में लेजर कट एंजियोप्लास्टी की गई, जिसके लाइव डेमोंस्ट्रेशन से विभिन्न राज्यों के कार्डियोलॉजिस्ट इस प्रक्रिया के गवाह बने। मरीज के हृदय की नस में जमे कैल्शियम को देखते हुए निजी अस्पताल ने एंजियोप्लास्टी करने से इनकार कर दिया था।

कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला को सफल बनाने में डॉ. कुणाल ओस्तवाल, डॉ. एसके शर्मा, डॉ. प्रतीक गुप्ता सहित अन्य लोगों का योगदान रहा।

निजी अस्पताल से निराश होकर आया वृद्ध मरीज, दिल की नस में जमा था कैल्शियम

ऐसे पूरी हुई प्रक्रिया

मरीज के दाहिने हाथ की धमनी के रास्ते दिल की नस तक कैथेटर को ले जाया गया। अत्यधिक वजनी और कठोर तारों से नस की रुकावट को पार किया गया एवं एक्साइमर लेजर का इस्तेमाल करते हुए जमे हुए कैल्शियम को तोड़कर बैलून के गुजरने का रास्ता बनाया गया। इसके बाद कोरोनरी इंट्रा वैस्कुलर अल्ट्रा सोनोग्राफी से हृदय की नस के अंदर की सोनोग्राफी कर बचे हुए कैल्शियम को चाकूनुमा विशेष कटिंग बैलून का इस्तेमाल कर काटा गया। कैल्शियम के पूरी तरह टूट जाने के बाद स्टंट जाने का रास्ता बनाया गया और दो स्टंट लगाकर एंजियोप्लास्टी की प्रक्रिया पूरी की गई।

राष्ट्रीय स्तर का कांफ्रेंस

डॉ. स्मित ने बताया कि जबलपुर में कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय स्तर का कांफ्रेंस आयोजित हुई है। उनके आग्रह पर हमने इस केस का जीवंत प्रदर्शन कर कार्यशाला को सफल बनाने में अपना योगदान दिया, जिसकी देशभर में सराहना हुई। इस दौरान देशभर के कार्डियोलॉजिस्ट ने इस प्रक्रिया को लाइव देखा तथा प्रश्न पूछ कर अपनी शंकाओं का समाधान भी किया।

उपचार के लिए मरीज को मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना का लाभ मिला।

डा. श्रीवास्तव ने बताया कि एक्साइमर लेजर कोरोनरी एंजियोप्लास्टी कट एक विशेष प्रकार की एंजियोप्लास्टी है, जिसमें लेजर का उपयोग करके कोरोनरी धमनियों में जमी हुई रुकावटों को हटाया जाता है। यह उन मामलों में प्रयोग किया जाता है, जहां पारंपरिक बैलून एंजियोप्लास्टी या स्टेंटिंग पर्याप्त नहीं होती। उन्होंने बताया कि 73 वर्षीय व्यक्ति के राइट कोरोनरी आर्टरी में ब्लॉकेज था। उसके आर्टरी में इतना ज्यादा कैल्शियम जमा था कि एंजियोप्लास्टी करने वाला वायर क्रॉस नहीं हो सकता था। साथ ही राइट कोरोनरी आर्टरी की उत्पति अपने मूल स्थान से न होकर ऊंचाई पर थी, जो केस की दूसरी जटिलता थी।

खबर संक्षेप

सिंधु कुलदेवी हिंगलाज माता के भव्य मंदिर का निर्माण जल्द होगा शुरू

रायपुर। पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत एवं पूज्य सिंधी पंचायत संत कंवरराम नगर के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ रायपुर की पावन धरा पर प्रथम सिंधु कुलदेवी हिंगलाज माता के भव्य मंदिर एवं सामाजिक सांस्कृतिक आयोजन के लिए हॉल का निर्माण जल्द संत कंवरराम नगर, कटोरा तालाब गली नंबर- 2 में किया जाएगा। पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के अध्यक्ष महेश दरयानी एवं सदस्यों द्वारा विधि-विधान से शुभ मुहूर्त पर पूजा पाठ, भूमिपूजन कर मंदिर के निर्माण के लिए नींव रखी गई। पंचायत उपाध्यक्ष गौरव मंधानी ने बताया कि भूमिपूजन के अवसर पर छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के अध्यक्ष महेश दरयानी, राजकुमार वाडिया, गोपाल दास चावला, मनोहर चंदनानी, राजकुमार पंजवानी, महेश लहरवानी, बबला होतवानी, अमर चंदनानी, राजू वासवानी, रितेश जसवानी, विकास रूपरेला, अनिल लाहोरी, दौलत सिहानी, शकुंतला लखवानी, अरुण पंजाबी, अजय वलेचा, शंकर असुदानी, कमल जयसिंघानी, मनीष पंजवानी, रतन वल्र्याणी, प्रेमप्रकाश, जस्सू, मनीष आहूजा, जीवत तोलवानी आदि उपस्थित थे।

भगवान परशुराम की होगी महाआरती, तैयारी को लेकर हुई बैठक

रायपुर। सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में शनिवार को वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद की आवश्यक बैठक हुई। बैठक में 19 मई की संध्या दूधाधारी सत्संग भवन मठपारा में भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर 11 सौ दीपों से महाआरती, भजन संध्या, विप्रजनों का सम्मान, भोजन प्रसादी की तैयारी के विषय में चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित समाज प्रमुखों ने अपने विचार रखते हुए कार्यक्रम को भव्य रुप देने का सुझाव दिया। बैठक में अरविंद ओझा, नितिन कुमार झा, सुरेश मिश्रा, गुणनिधि मिश्रा, सुनील कुमार ओझा, अजय अवस्थी, यशवंत पुरोहित, अमृतलाल बिलथरे, अभिषेक त्रिपाठी, सतीश शर्मा, रवि शर्मा, उमेश शर्मा, नीरज पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

राजराजेश्वरी महात्रिपुर सुंदरी का मनाया स्थापना दिवस

रायपुर। जगद्गुरु शंकराचार्य आश्रम बोरियाकला में शनिवार को भगवती राजराजेश्वरी महात्रिपुर सुंदरी का स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान श्रीयंत्र पूजन-अर्चन और विशाल भंडारा भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को परम पूज्य 1008 यतिप्रवर दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद तीर्थ महाराज के दर्शन प्राप्त हुए।

निधन

दिलीप काचा

रायपुर। श्रीजी पैलेस न्यू हाउस श्रीनगर निवासी दिलीप काचा (62) का 3 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 4 मई को सुबह 10 बजे निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे विनोद काचा, गौरांग काचा के भाई थे।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया का दिल्ली के मुख्यमंत्री ने किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- भारत मंडपम में व्यापारिक नेताओं का राष्ट्रीय सम्मेलन

नई दिल्ली के भारत मंडपम में व्यापारिक नेताओं के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया को उनके अद्वितीय व्यापारिक योगदान और समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किया। इस सम्मेलन में देश के सभी राज्यों से 150 से अधिक व्यापारिक नेता शामिल हुए। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने बताया कि दिल्ली में हुये राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने श्री भरतिया को एक सेवाभावी और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में कैट ने देश के व्यापारियों की समस्याओं को मुखरता से उठाया है। साथ ही समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि श्री भरतिया का कार्य व्यापारिक समुदाय के लिए प्रेरणा स्रोत है। देशभर से आए सैकड़ों प्रमुख व्यापारिक नेताओं की उपस्थिति में यह सम्मान समारोह आयोजित हुआ। अमर पारवानी ने कहा श्री भरतिया को मिले इस सम्मान से पूरे व्यापारी समाज में गौरव और उत्साह का वातावरण बना है। कैट के कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्र सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया को सम्मानित किए जाने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

कीमत लगातार बढ़ने की संभावना

लोकल फसल की आवक बंद चिल्हर में टमाटर 20 से 30 रुपए

पिछले साल 100 रुपए किलो तक हो गए थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के टमाटर की फसल की आवक बंद हो गई है। ऐसे में अब इसकी कीमत में लगातार इजाफा हो रहा है। थोक में इस समय कीमत 15 रुपए और चिल्हर में 20 से 30 रुपए किलो हो गई है। कुछ कम क्वालिटी का टमाटर 20 रुपए किलो तक मिल रहा है। अब बाहर से टमाटर आने के कारण कीमत और बढ़ेगी और फिर से दाम आसमान पर जाएंगे।

प्रदेश में टमाटर की फसल दीपावली के बाद आती है जो अप्रैल के अंत तक चलती है। बीते साल लोकल फसल के आने के पहले टमाटर के दाम सौ रुपए से ज्यादा पहुंच गए थे। इसके बाद जब लोकल फसल आई तो टमाटर के दाम कम होने लगे। लेकिन प्रारंभ में लोकल फसल के दाम भी ज्यादा रहे और कीमत 50 से 60 रुपए रही क्योंकि लोकल फसल भी दूसरे राज्यों में जा रही थी, लेकिन जैसे-जैसे आवक में इजाफा हुआ तो कीमत कम होती चली गई।

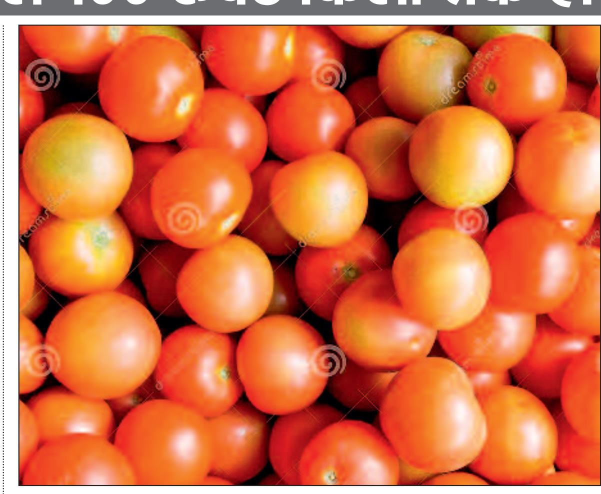

पांच रुपए किलो में बिका

नए साल में टमाटर के दाम ऐसे जमीन पर आए कि मंडियों में किसानों को कीमत ही नहीं मिल रही थी, मंडी में एक से दो रुपए किलो टमाटर के दाम होने के कारण किसानों ने टमाटर बेचने ही बंद कर दिए। चिल्हर में टमाटर 5 रुपए किलो तक बिके। अच्छी क्वालिटी का टमाटर चिल्हर में दस रुपए का डेढ़ किलो तक बिका।

गर्मी में बढ़ते हैं दाम

टमाटर के दाम अब वापस आसमान की तरफ जाने का क्रम प्रारंभ हो गया है। अब लोकल फसल का आना लगभग बंद हो गया है। इसके कारण इसके दाम ज्यादा होते जा रहा है। अच्छी क्वालिटी का टमाटर थोक में 15 रुपए तक बिक रहा है। थोड़ी कम क्वालिटी वाला टमाटर 10 से 12 रुपए में बिक रहा है। यह टमाटर चिल्हर में 20 रुपए में मिल जा रहा है, लेकिन अच्छी क्वालिटी वाला टमाटर 30 रुपए में बिक रहा है, दो किलो लेने पर जरूर 25 रुपए के हिसाब से 50 रुपए लग रहे हैं। इस माह से फिर से दाम रुलाने वाले होने लगेंगे।

सिविल लाइंस के सभागार में कार्टून प्रदर्शनी कल से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विश्व कार्टूनिस्ट दिवस पर देश की एकमात्र कार्टून पत्रिका कार्टून वॉच ने अखिल भारतीय स्तर पर कार्टून प्रतियोगिता का आयोजन किया है। संस्कृति विभाग और छग पर्यटन मंडल के सहयोग से होने वाले इस आयोजन में देशभर के कार्टूनिस्टों ने भाग लिया। इस वर्ष का विषय- आतंकवाद से नहीं डरेगा पर्यटक रखा गया था। कार्टून वॉच के संपादक त्रयंबक शर्मा ने बताया कि इतना जटिल विषय होने के बाद देश के विभिन्न हिस्सों से रोचक और प्रेरक कार्टून प्राप्त हुए हैं। इन कार्टूनों की प्रदर्शनी 5 मई को रायपुर इंडियन कॉफी हाउस सिविल लाइंस के सभागार में शाम 5 बजे से लगाई जाएगी। यह प्रदर्शनी दो दिनों तक चलेगी। श्री शर्मा ने बताया कि इस प्रदर्शनी में शामिल होने पुणे से कार्टूनिस्ट राजेश नाईक विशेष तौर पर रायपुर आ रहे हैं। इस दिन संगोष्ठी भी आयोजित होगी, जिसका विषय है- क्या ड्राइंग आर्ट कही जाने वाली कला सचमुच समाप्त हो जाएगी। 6 मई को कैरीकेचर बनाने की कार्यशाला होगी। उन्होंने बताया कि पुणे से आए कार्टूनिस्ट राजेश नाईक संध्या 4 से 6 तक कैरीकेचर बनाने की कला पर कार्यशाला करेंगे। इस कार्यशाला के लिए गूगल रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा और इसमें 15 वर्ष की आयु से कम बच्चे भाग नहीं ले सकेंगे।

कार्टून प्रतियोगिता के परिणाम घोषित

श्री शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता को काफी अच्छा प्रतिसाद मिला और इसके परिणाम इस प्रकार रहे, दस हजार रुपए का प्रथम पुरस्कार कर्नाटक के उदय विट्ठल और बेंगलुरु के बिबेक सेनगुप्ता के मध्य बांटा गया, वहीं सात हजार रुपए का द्वितीय पुरस्कार पुणे के कपिल घोलाप और हैदराबाद के वल्लूरी कृष्णा के बीच बांटा गया और पांच हजार रुपए का तृतीय पुरस्कार भुवनेश्वर के देबाशीष और केरल के मनोज के मध्य बांटा गया। 20 विशेष पुरस्कार भी दिए गए।

ढाबा में चल रहा था शराब का अवैध कारोबार, बल्क में जब्त, संचालक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- ढाबा से 56 देशी मसाला, 104 गोवा व्हिस्की कुल 28.80 लीटर शराब जब्त की

राजधानी रायपुर के मुजगहन थाना क्षेत्र के ग्राम छछानपैरी स्थित आरके ढाबा में शराब का अवैध कारोबार किया जा रहा था। इसकी सूचना मिलने पर आबकारी विभाग की टीम ने शुक्रवार रात को इस ढाबा में छापेमार कार्रवाई की। इस दौरान ढाबा से मध्यप्रदेश राज्य की बल्क में शराब जब्त किया है। इस कार्रवाई में ढाबा संचालक को भी गिरफ्तार किया है, जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। आबकारी विभाग रायपुर के उपायुक्त रामकृष्ण मिश्रा ने बताया कि 2 मई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि छछानपैरी स्थित आरके ढाबा में अवैध रूप से शराब बिक्री का कारोबार किया जा रहा है। इस सूचना पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेन्द्रनाथ तिवारी के नेतृत्व में टीम ने ढाबा में छापा मारा। इस दौरान ढाबा से 56 देशी मसाला, 104 गोवा व्हिस्की कुल 28.80 लीटर शराब जब्त की। जब्त शराब मध्यप्रदेश की है। विभाग ने शराब जब्ती करने के साथ ढाबा के संचालक रोशन बघेल निवासी छछानपैरी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34 (2) के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। इस कार्रवाई में आबकारी मुख्य आरक्षक सुनीता गर्ग की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मामूली गाली-गलौज, विवाद पर हत्या दो नाबालिग सहित चार गिरफ्तार

- धान फड़ में शराब पीने से मना किया तो बदमाशों ने चौकीदार से गाली-गलौज कर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/तिल्दा-नेवरा

तिल्दा थाना क्षेत्र में पांच दिन पूर्व मंगलवार को एक निर्माणाधीन गोदाम के चौकीदार की अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाते हुए पुलिस ने दो नाबालिग सहित चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। घटना दिनांक को बदमाश धान फड़ में बैठकर शराब पी रहे थे। चौकीदार ने लड़कों को फड़ में शराब पीने से मना किया। इस बात से नाराज होकर बदमाशों ने चौकीदार के साथ गाली-गलौज की। गाली-गलौज का विरोध करने पर बदमाशों ने चौकीदार की हत्या करने के बाद साक्ष्य छिपाने उसके चेहरे पर सीमेंट पोल से वार कर विकृत कर दिया। विधानसभा सीएसपी विरेंद्र चतुर्वेदी के अनुसार गौरेला-पेंड्रारोड निवासी गोविंदा पाण्डेय (24) की हत्या के आरोप में चंद्रकामता भारती उर्फ कामता, बिमलेश यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस को घटना के दूसरे दिन कान्हा राइस मिल के पीछे शुक्ला भाठा के पास एक अज्ञात युवक की लाश मिलने की सूचना मिली। शिनाख्त करने पर लाश पास के निर्माणाधीन गोदाम के चौकीदार गोविंदा के रूप में हुई। बदमाशों की पतासाजी करने पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फूटेज की पड़ताल की, तो दो नाबालिग घटनास्थल के आसपास संदिग्ध रूप में मंडराते दिखे। इसके बाद पुलिस ने दोनों नाबालिग से पूछताछ की, तो उन लोगों ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर हत्या करने का अपराध कबूल किया।

नाला सफाई के लिए प्रत्येक जोन को 25-25 प्लेसमेंट सफाई कर्मचारी

दस जोन के लिए 250 कर्मचारी रखेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- किराये के पोकलेन मशीन से होगी नाला सफाई, 30 लाख रुपये होंगे खर्च

बारिश पूर्व शहर के बड़े नाला-नालियों की सफाई कार्य के लिए निगम का स्वास्थ्य विभाग 250 सफाई कर्मचारी उपलब्ध करायेगा। दस जोन में नाला सफाई कार्य के लिए अलग से 10 जोन गैंग बनाए जा रहे हैं। प्रत्येक जोन गैंग के लिए 25 सफाई कर्मचारी दिये जायेंगे, जो कि अनुबंध के आधार पर नगर निगम को अनुबंधित सफाई ठेकेदार उपलब्ध करायेगा। वहीं नालों की मशीन से सफाई कराने नगर निगम किराये पर पोकलेन मशीन से शहर के बड़े नालों की सफाई करायेगा। बड़ी पोकलेन मशीन और प्लास्टिक कचरा उठाने जटायु खरीदने की योजना फिलहाल टल गयी है।

शहर के बड़े नाले-नालियों की सफाई के लिए नगर निगम के पास पर्याप्त सफाई संसाधन नहीं हैं। इसके कारण हर साल सफाई विभाग को बारिश के सीजन में किराये की पोकलेन मशीन से नाला सफाई कराने की नौबत आती है। दस जोन में 10 बड़ी पोकलेन मशीन और 5 छोटी मशीनों की जरूरत है। इसके लिए नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने बाकायदा प्रस्ताव बनाकर भेजा, ताकि सफाई संसाधन पर्याप्त होने से समय रहते नाले-नालियों की सफाई कराई जा सके। वर्तमान में निगम के पास केवल 2 बड़ी पोकलेन मशीन नाला सफाई के लिए उपलब्ध है, जो कि शहर के विस्तार और जरूरत के हिसाब से बहुत कम है।

किराये से पोकलेन से कराएंगे नाला सफाई

नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्राही का कहना है, 8 बड़ी पोकलेन मशीन खरीदने के स्थान पर किराये से पोकलेन मशीन लेकर शहर के नालों की सफाई करायेंगे। इसके लिए 30 लाख रुपये दस जोन के नाला सफाई कार्य के लिए रखे गये हैं। नई पोकलेन नहीं खरीद रहे, प्लास्टिक कचरा उठाने निगम के पासएक जटायु मशीन उपलब्ध है, 9 अतिरिक्त मशीन खरीदने का प्रस्ताव दिया था, पर अभी मंजूरी नहीं मिली है।

बिजनेस साइट

अर्जुन फ्यूल और मुस्कान एनर्जी प्वाइंट का हुआ भव्य शुभारंभ

रायपुर। शहर के तेजी से विकसित हो रहे इलाकों में शुमार पुरानी धमतरी रोड पर दो बड़े प्रतिष्ठानों का शुभारंभ किया गया, जिसमें अर्जुन फ्यूल (दुर्ग पाटन रोड, भरेंगाभाठा) और मुस्कान एनर्जी प्वाइंट (खोरपा) शामिल हैं। ये दोनों प्रतिष्ठान वार्ड क्रमांक-67 भक्त माता कर्मा वार्ड की पार्षद ममता सोनू तिवारी और उनके पति, युवा उद्यमी सोनू तिवारी की संयुक्त पहल से शुरू किए गए हैं। शुभारंभ समारोह में रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। इस मौके पर क्षेत्र के ग्रामीणों और स्थानीय जनसामान्य की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई।

सुयश अस्पताल में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जटिल एंडोस्कोपी कार्यशाला

रायपुर। सुयश अस्पताल, कोटा गुढ़ियारी रोड, रायपुर में 3 और 4 मई को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जटिल एंडोस्कोपी (थर्ड स्पेस एंडोस्कोपी) कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पेट, आंत, लिवर और पैंक्रियास से संबंधित जटिल रोगों के उपचार के लिए अत्याधुनिक एंडोस्कोपिक तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। कार्यशाला का नेतृत्व सुयश अस्पताल के गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. मनोज लाहोटी और मुख्य सलाहकार डॉ. अमित जोशी ने किया। इसमें भारत और विदेश के प्रख्यात विशेषज्ञों-डॉ. राधिका चव्हाण (पुणे), डॉ. अमिताभ नायक (यूके) और डॉ. प्रकाश दलाई (भुवनेश्वर) ने भाग लिया। इस दौरान 'पोयम' तकनीक के माध्यम से एक्लेसिया कार्डिया से पीड़ित मरीजों का सफल इलाज किया गया, जो लंबे समय से भोजन निगलने में असमर्थ थे। इसके अलावा पैंक्रियास की स्यूडोसिस्ट से संबंधित मरीजों का इलाज मेटालिक स्टेंट की सहायता से किया गया।

पेज 13 के शेष ...

टोल प्लाजा का ....

कर्मचारियों के लिए असुरक्षित माहौल पैदा करता है, बल्कि टोल संचालन को भी बाधित करता है। ऐसे में पूरी दर से टोल टैक्स वसूलना नियम विरुद्ध है।

48 घंटे बाद ....

पड़ताल में पता चला कि अमला युद्ध स्तर पर जरूर सुधार कार्य में लगा हुआ है, लेकिन अभी तक करीब 70 प्रतिशत अव्यवस्था को सुधारने में कामयाब रहा है, वहीं 30 प्रतिशत सुधार कार्य अभी भी बाकी है। इस पड़ताल में यह भी पता चला कि बिजली विभाग का अमला कई इलाकों में 40 घंटे के बाद पहुंच पाया है। इनमें आउटर इलाकों के अलावा शहर के अंदर के इलाके भी शामिल हैं। जिन इलाकों में अमला तीसरे दिन पहुंचा है, वहां भी अभी तक शत-प्रतिशत समस्या का निराकरण नहीं किया गया है। कुछ इलाकों में लोगों को राहत देने के लिए बिजली व्यवस्था को अस्थाई रूप से सुधारा गया है। केस:5- खुड़मुड़ा में तीसरे दिन भी नहीं लौटी बिजली- अमलेश्वर के खुड़मुड़ा गांव में भी आंधी के कारण बिजली पोल क्षतिग्रस्त होकर गिर गया है, जिसके कारण बिजली बंद है। गांव के लोगों ने इसे सुधारने के लिए विभाग को सूचना दी, तीन दिन हो चुका है, लेकिन अब तक इसे सुधारने अमला नहीं पहुंचा है, जिसके कारण यहां के घर अंधेरे में डूबे हुए हैं।

केस 4...

हसमुख मेहता के घर के सामने सड़क पर पड़ा हुआ है। सड़क पर पड़े इन पेड़ों के कारण वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने की भी संभावना बनी हुई है।

नाबालिगों से कराई ....

पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर शुक्रवार की देर रात को तेलीबांधा क्षेत्र के देवार बस्ती में योजना बनाकर छापा। इस दौरान बस्ती से चार नाबालिग लड़कों के कब्जे से अलग-अलग ग्राम में गांजा बरामद किया है। विभाग ने इन चारों लड़कों को रेस्क्यू कर बाल गृह भेजा है।

मुखबिर की सूचना ....

गई, जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी के अलावा बाल संरक्षण एवं पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मियों को भी शामिल किया गया था। इस संयुक्त टीम ने शुक्रवार रात करीब 11.30 बजे इस बस्ती में योजना के तहत छापा मारा। इस दौरान चार नाबालिग लड़कों के कब्जे से गांजा बरामद किया। ये चारों लड़के बिक्री करने के लिए गांजा अपने पास रखे थे। टीम ने इसके बाद इन चारों लड़कों को रेस्क्यू कर फिलहाल मामले की जांच होने तक बाल गृह भेजा है।

हाई सिक्यूरिटी नंबर ....

डेढ़ महीने के भीतर तीन लाख वाहन मालिकों ने एचएसआरपी लगवाने परिवहन विभाग में आवेदन पेश किया है। पेश किए गए आवेदन में 70 हजार वाहनों में एचएसआरपी फिटमेंट किए गए हैं। राज्य में एचएसआरपी लगाने दो कंपनी रोजामेर्टा तथा रियल मेजान कंपनी पंजीकृत की गई हैं। हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट लगाने में तेजी लाने शुक्रवार को नवा रायपुर परिवहन मुख्यालय में परिवहन सचिव, एस. प्रकाश, अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर, की अध्यक्षता में सभी जिलों के आरटीओ, डीटीओ के साथ एचएसआरपी लगाने वाली कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ हाई लेवल मीटिंग ली गई। मीटिंग में एचएसआरपी लगाने में हो रही देर को लेकर चर्चा की गई।

नैक निरीक्षण टीम ....

महाविद्यालयों से धनराशि वसूलने का मामला सामाले आया था। इसके बाद कई गिरफ्तारियां भी हुई थीं। पूरे मामले के खुलासे के बाद छग के भी कई महाविद्यालयों ने यह बात स्वीकारी थी कि उन्हें भी अच्छी ग्रेडिंग के लिए नैक टीम को महंगे उपहार देने पड़े थे। इसके अलावा उनकी खास तरह से खातिरदारी भी की गई थी। अन्य राज्यों से भी इस तरह की शिकायत आई थी। यूजीसी द्वारा सिस्टम को सुधारने लंबे समय से पैनल में जमे प्राध्यापकों को हटाया गया है। इसके अलावा नैक ग्रेडिंग के सिस्टम में भी बदलाव किया जा रहा है। इसके चलते भी नई नियुक्तियां फिलहाल नहीं हो रही हैं।

हरिभूमि
रायपुर, रविवार 4 मई 2025
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

गर्मी से बचने जगन्नाथ ने किया नौका...

एजूकेशन अपडेट

इसरो में वैज्ञानिक, इंजीनियर पदों पर ऑनलाइन आवेदन 19 मई तक

रायपुर। इंजीनियर या वैज्ञानिक बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए खुशखबरी है। भारतीय अनुसन्धान अंतरिक्ष संगठन की ओर से वैज्ञानिक/इंजीनियर के रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती निकाली गई है जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया आज यानी 29 अप्रैल से स्टार्ट कर दी गई है। जो भी अभ्यर्थी इस भर्ती में भाग लेना चाहते हैं और पात्रता पूरी करते हैं वे बिना देरी करते हुए तुरंत ही ऑफिशियल वेबसाइट www.isro.gov.in पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं। इसके अलावा आप इस पेज पर दिए डायरेक्ट लिंक का उपयोग करके भी सीधे आवेदन कर सकते हैं।इस भर्ती में भाग लेने के लिए उम्मीदवार के पास गेट स्कोरकार्ड होना अनिवार्य है। इसके साथ ही अभ्यर्थी ने पदानुसार बीई/ बीटेक डिग्री इलेक्ट्रॉनिक्स एन्ड कम्युनिकेशन/ मैकेनिकल इंजीनियरिंग/ कंप्यूटर साइंस एन्ड इंजीनियरिंग में न्यूनतम 65 फीसदी अंकों के साथ प्राप्त की हो।

आयु 28 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए

इसके साथ ही आवेदन करते समय अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष से कम और अधिकतम आयु 28 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणी से आने वाले अभ्यर्थियों को ऊपरी उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी। ध्यान रखें कि आयु की गणना 19 मई 2025 के अनुसार की जाएगी। इस भर्ती के माध्यम से इसरो में वैज्ञानिक/ इंजीनियर के कुल 63 पदों पर भर्ती की जाएगी। पदानुसार भर्ती विवरण नीचे से देख सकते हैं। इस भर्ती में आवेदन के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट **www.isro.gov.in** पर जाकर करियर बटन पर क्लिक करना होगा। इसके बाद आपको भर्ती से संबंधित आवेदन लिंक पर क्लिक करना होगा। आवेदन पोर्टल पर आपको जिस पद के लिए फॉर्म भरना होगा उस पर क्लिक करना होगा। इसके बाद मांगी गई डिटेल दर्ज करके फॉर्म भरें। अंत में निर्धारित शुल्क जमा करके फॉर्म को सबमिट कर दें और पूर्ण रूप से भरे हुए फॉर्म का एक प्रिंटआउट निकालकर सुरक्षित रख लें।

ग्राम डोमा गुरु घासीदास धर्मशाला परिसर के करीब 6 एकड़ एरिया में फूलों की खेती

समाजसेवा के साथ प्रकृति की पूजा, मन को मोह रही गेंदे की बगिया, चंदन-सागौन की हरियाली

राजधानी से लगा एक गांव ऐसा भी है, जहां से आप गुजरेंगे तो वहां की हवा में घुल रही गेंदा फूल की खुशबू और चंदन, सागौन, सरई, अशोक, नीलगिरी, आम, बादाम के पेड़ों की हरियाली का नजारा एकाएक मन को अपनी ओर आकर्षित कर लेगा। यह सुंदर जगह है ग्राम डोमा। कांदुल तिराहा रोड से जैसे ही दतरेंगा सोसायटी से आगे बढ़ेंगे तो मेनरोड पर ग्राम डोमा गुरु घासीदास धर्मशाला एवं सांस्कृतिक संस्थान परिसर के करीब 6 एकड़ एरिया में लगी गेंदा फूल की बगिया व हरियाली एक ओर जहां लोगों को ताजगी का एहसास करा रही है, वहीं हरियाली को बचाने की प्रेरणा भी दे रही है।

रायपुर। प्रकृति की इस सुंदर तस्वीर यानी गेंदा फूल की बगिया व हरियाली को सजाने, संवारने का पुनीत कार्य गुरु घासीदास धर्मशाला एवं सांस्कृतिक संस्थान समिति के सदस्यों ने किया है। समिति के सदस्यों से बात करने पर उन्होंने बताया कि यह समिति करीब 25 साल से संस्था के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण व समाजसेवा में लगी हुई है। संस्था के माध्यम से अपने गांव को एक अलग पहचान मिले, इसी दिशा में पर्यावरण संरक्षण को लेकर हम लोगों ने परिसर की खाली जमीन पर करीब 6 एकड़ पर गेंदा फूल व इसके चारों ओर इमारती व फलदार, छायादार वृक्ष लगाए हैं। इसकी देखरेख समिति के सदस्यों द्वारा की जा रही है।

आकर्षण का केंद्र फूल बगिया

सुबह और शाम के समय आसपास के गांव से बच्चे, महिलाएं, युवा, बुजुर्ग परिसर की हरियाली निहारने यहां पहुंचते हैं। वहीं राह चलते लोगों के लिए भी संस्थान परिसर में छाई हरियाली, जगमग खिले गेंदा फूल की सुंदरता आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। परिसर में दो तरह की देसी गेंदा फूल रोपे गए हैं। भ्रमण करने पहुंचने वाले लोग खुद को यहां ताजगी के बीच महसूस करते हैं।

फूलों से हो रही आमदनी

संस्था के सदस्य सत्यनारायण, बलदाऊ राम ने बताया कि परिसर में गेंदा फूल की बगिया से रोजाना 50 किलो फूल तोड़ रहे हैं, जिसे राजधानी के फूल चौक पर फूल व्यापारियों को 70 से 80 रुपए किलो के भाव से बेचते हैं। वहीं लोग संस्थान परिसर में आकर भी अपनी जरूरत के मुताबिक उचित दाम पर गेंदा फूल खरीदकर ले जा रहे हैं। गेंदा फूल से होने वाले आमदनी से इसकी रोपाई, खाद, संस्थान परिसर के रखरखाव का खर्च चलता है।

सामाजिक आयोजन के लिए निशुल्क परिसर

गुरु घासीदास धर्मशाला एवं सांस्कृतिक संस्थान समिति के अध्यक्ष दिनेश बंजारे ने बताया कि संस्थान द्वारा परिसर में बने शेड एवं भवन को सभी वर्ग के लिए शादी-विवाह जैसे आयोजनों में निशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही सेवा संस्थान द्वारा धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक गतिविधियों को लेकर समय-समय पर जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

सिटी इवेंट

395 दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ-पैर लगने से छूटेगी ट्रायसिकल और बैसाखी

रायपुर। जाने कितने ही लोग ऐसे हैं, जिनके जीवन की गाड़ी ट्रायसिकल और बैसाखी के भरोसे चल रही है। ऐसे लोगों को हौसले की उड़ान देने का दायित्व निभाने वाले उदयपुर के नारायण सेवा संस्थान ने इस साल छत्तीसगढ़ के 395 दिव्यांगों को नारायण लिम्ब हाथ और पैर देने की तैयारी शुरू की है। संस्थान के मीडिया प्रभारी भगवान प्रसाद गौड़ ने बताया कि लगातार दूसरी पर रायपुर में निशुल्क ऑपरेशन जांच व चयन के साथ ही नारायण लिम्ब और केलिपर्स माप लेने कैंप किया गया। अब जून महीने में दिव्यांगों के जीवन में उम्मीद की नई किरण जुड़ने वाली है। इसके लिए कैंप में लिए मेजरमेंट के तहत दिव्यांगों को दोबारा कैम्प आयोजित करते हुए बिना सहारे के चलने का एहसास कराने के लिए डॉक्टर्स फिर आएंगे।

लिम्ब हाथ-पैर देने जून में फिर कैम्प

संस्थान की निदेशक वंदना अग्रवाल के मार्गदर्शन में लगाए गए कैंप के बाद अब दिव्यांगों के लिए नए सिरे से जीवन के संघर्ष को कम करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अप्रैल महीने में कैम्प लगाते समय ही जिन लोगों की माप ली गई, उन्हें 60 से 65 दिनों बाद यानी जून महीने में कृत्रिम अंग देने की तैयारी तेज की गई है। संस्था के मीडिया प्रभारी ने बताया कि 612 लोगों में से 395 की जांच के बाद नारायण लिम्ब लगाने के लिए उपयुक्त पाया गया। इनके लिए उदयपुर में कृत्रिम अंग तैयार किए जा रहे हैं।

35 को केलिपर्स लगाने मेजरमेंट

शिविर की रिपोर्ट और मेजरमेंट के आधार पर डॉक्टर्स के दिशा-निर्देश में पीएंडओ टीम ने सभी दिव्यांगों को देखने और 395 दिव्यांगों को नारायण लिंब हाथ-पैर तथा 35 को केलिपर्स लगाने के लिए मेजरमेंट लिया है। वहीं 56 दिव्यांग रोगियों का चयन शल्य चिकित्सा के लिए किया गया है। इनका ऑपरेशन होने से पहले उदयपुर में शिविर लगाकर जांच की जाएगी। रिपोर्ट जांचने के बाद उन्हें उपचार से जोड़ने की जानकारी संस्था के लोगों ने दी। एक बार फिर जून में दिव्यांगों की सुध लेने के लिए पहल की जाएगी । अलग-अलग दुर्घटना में हाथ-पैर गंवा चुके बच्चों को स्कूल खुलने के साथ ही खुद के पैरों पर चलने की खुशी मिलने वाली है। इसके लिए संस्था के लोगों ने मेजरमेंट के आधार पर ही नारायण लिम्ब बनाने के लिए एक्सपर्ट की टीम को दायित्व देने के साथ ही इसे समय पर बनाकर देने के लिए कहा है, ताकि बच्चे इस सीजन में पालकों के भरोसे नहीं, बल्कि खुद के पैरों पर चलते हुए पढ़ने जाएं। जिन बच्चों ने हाथ खो दिया है, उन्हें भी सहारे का मोहताज नहीं होना पड़ेगा, क्योंकि उनके लिए कृत्रिम हाथ बनाए जा रहे हैं।

नन्हे हाथों में रंगों की उड़ान, शिविर में बच्चे सीख रहे डिजाइनर पेंटिंग

रायपुर। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रायपुर प्रेस क्लब और आर्ट होम संस्था की ओर से प्रेस क्लब भवन मोतीबाग में 1 से 31 मई तक ग्रीष्मकालीन महिला एवं बाल चित्रकला शिविर लगाया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ 1 मई को किया गया। इच्छुक प्रशिक्षार्थी सुबह 8 से 9.30 बजे के मध्य अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। शिविर मीडिया परिवार एवं निर्धन वर्ग के बच्चों के लिए निशुल्क है। चित्रकला शिविर में मूलरूप से चित्रकला की बेसिक जानकारी दी जाएगी और इसके अतरिक्त रेखांकन व पोस्टर कलर, एक्रेलिक कलर, फेब्रिक कलर, ऑयल पेस्टल कलर एवं सॉफ्ट पेस्टल कलर के साथ साथ वेस्ट से बेस्ट एवं फ्लॉवर पाट, सिरेमिक डिजाइन आदि सिखाया जाएगा। शिविर के अंत में बच्चों के प्रोत्साहन के लिए उनकी पेंटिंग की प्रदर्शनी लगाई जाएगी और उन्हें आर्ट होम द्वारा प्रशस्ति पत्र भी भेंट किए जाएंगे।

सामग्री खुद लाएंगे प्रशिक्षु

आर्ट होम संस्था के संचालक नरेश वाढेर ने बताया कि चित्रकला से संबंधित आवश्यक सामग्री प्रशिक्षुओं को स्वयं लाना होगा। प्रशिक्षण समाप्ति के बाद पालक अपने बच्चों को समय पर उपस्थित होकर ले जाएंगे। रविवार को चित्रकला शिविर बंद रहेगा। शिविर में मुख्य रूप से क्रमशः वरिष्ठ चित्रकार नरेश वाढेर, जयश्री भगवानानी, दीपिका सिंह बैस, सुनीता द्विवेदी, सुजाता राजिमवाले, रजनीश वर्मा, रुचि तिवारी आदि वरिष्ठ कलाकार प्रशिक्षण देंगे।

नाट्य, नृत्य, संगीत और साहित्य विधाओं का नि:शुल्क प्रशिक्षण शिविर का रजिस्ट्रेशन आज से

रायपुर। मानिकपुरी पनिका समाज और कला-साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ द्वारा जे एम सी लाइव बैंड के तत्वावधान में निःशुल्क नाट्य, नृत्य, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला एवं साहित्य विधा के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सदगुरू कबीर दर्शन केंद्र उमरपोटी में किया जाएगा। जिसके लिए 4 मई से रजिस्ट्रेशन शुरु हो जाएगा। प्रशिक्षण शिविर के आयोजन की रुपरेखा के संबध में बैठक आयोजित की गई थी। सदगुरु कबीर दर्शन केन्द्र निदेशक मुकुन्द दास मानिकपुरी ने बताया कि शिविर में विश्व रंगमंच दिवस, हिंदी रंगमंच दिवस, विश्व कला दिवस, अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस और विश्व संगीत दिवस के लिए निःशुल्क नाट्य फिल्म एक्टिंग, नृत्य,संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला एवं साहित्य विधा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस कार्यशाला में भिलाई तथा दुर्ग से कोई भी भाग ले सकता है। ग्राम उमरपोटी, उतई, नेवई, पतोरा सहित अन्य ग्रामों की प्रतिभाओं की प्रतिभा को निखार कर सामने लाने के उद्देश्य से यह निःशुल्क आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में भाग लेने के लिए ऑनलाइन गूगल फॉर्म द्वारा प्रवेश पत्र आमंत्रित किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इच्छुक प्रतिभागी गूगल फॉर्म के लिंक के माध्यम से ऑनलाइन कार्यशाला में अपना रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। कार्यशाला में विद्यार्थी, नौकरी पेशा, व्यवसाय करने वाले, गृहणियां, अवसर प्राप्त कर्मी, दिव्यांग सहित कोई भी भाग ले सकते हैं। कार्यशाला में प्रतिभागिता के लिए 4 मई से रजिस्ट्रेशन का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

हरिभूमि से खास बातचीत में अभिनेत्री ने साझा किया अनुभव

रेड-2 में अजय देवगन के साथ शहर की श्रुति ने शेयर की स्क्रीन

कार्नर न्यूज

रायपुर। हर सफलता के पीछे एक लंबे संघर्ष और धैर्य की कहानी छिपी होती है। कुछ ऐसी ही कहानी है रायपुर की अभिनेत्री श्रुति पांडे की, जिन्होंने आर्थिक तंगी के दौर में न्यूज एंकरिंग, होस्टिंग और यहां तक कि टिफिन डिलीवरी जैसे काम किए, लेकिन अब जब उन्हें उनके अभिनय से पहचान मिलने लगी है तो यह सफर उन्हें खास खुशी और संतोष देता है।

श्रुति ने बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन के साथ फिल्म रेड-2 में अभिनय किया है। हरिभूमि से खास बातचीत में उन्होंने अपने संघर्ष और सफर के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया, बचपन से ही एक्टिंग के प्रति गहरी दिलचस्पी थी और अब यह सिर्फ शौक नहीं, बल्कि मेरा जीवन बन चुका है। रेड-2 में चयन की प्रक्रिया भी आसान नहीं थी। पहले किरदार के लिए ऑडिशन दिया, लेकिन चयन नहीं हो सका। इसके बाद निर्देशक ने उन्हें 'गीता देवी' नामक महत्वपूर्ण किरदार के लिए चुना, जिसके लिए तीन राउंड के बाद उनका फाइनल सलेक्शन हुआ। श्रुति बताती हैं, फिल्म के सभी पोस्टरों में एकमात्र फिमेल एक्ट्रेस के रूप में मेरी तस्वीर है, जो मेरे लिए गर्व की बात है।

फिल्म हेलमेट से मिली पहचान

श्रुति ने बताया कि साल 2017 में ड्रामा की पढ़ाई के दौरान पीयूष मिश्रा और गोविंद नामदेव जैसे दिग्गज अभिनेता ने अभिनय की बारीकी को समझाया, जो एक्टिंग को बेहतर करने मदद करता है। मेरी पहली फिल्म हेलमेट थी। इस फिल्म के जरिए ही पहचान मिलने लगी थी, जिसके बाद अपारशक्ति खुराना के साथ काम किया। इस तरह फिल्मों में काम मिलना शुरू हो गया। श्रुति ने यामी गौतम के साथ ए थर्सडे किया, स्त्री फिल्म और फीचर फिल्म पवई में भी मुख्य किरदार का हिस्सा रही हैं। इसमें पवई फिल्म विदेशों में लोकप्रिय रही।

जब अजय देवगन ने बढ़ाया मनोबल

फिल्म के दौरान कई बार ऐसा भी हुआ कि मेरा कॉन्फिडेंस कम हो रहा था। इस दौरान अजय सर ने मेरी हेल्प की। जब फिल्म में दीवार तोड़ने वाला वन टेक स्टंट आया, तब उन्होंने ही हो जाएगा चलो, बी कॉन्फिडेंट.., कहते हुए तैयार किया। फिल्म के दौरान 3 महीने लखनऊ में दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला।

खुद पर भरोसा और धैर्य रखें

संघर्ष के दौर में माता-पिता का भरपूर सहयोग मिला। पिता पूर्व भारतीय सैनिक और माता गृहिणी है। बचपन से पढ़ाई और कॅरियर की सलाह दी गई, जिसके बदौलत आज 29 वर्ष की आयु में अजय देवगन जैसे दिग्गज कलाकार के साथ काम करने का मौका मिला है। पिता को भी एक्टिंग में रुचि है, जिसके कारण मुझे उनका सपना पूरा करने का मौका मिला। फिल्मी जगत में एंट्री के बाद 10-12 साल की मेहनत से रेड-2 जैसी बड़ी फिल्म में काम करने का मौका मिला है।

11.75 करोड़ कमा चुकी है फिल्म

1 मई को रिलीज हुई रेड-2 फिल्म ने बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के तीसरे दिन 11.75 करोड़ की कमाई कर ली है। अजय देवगन और रितेश देशमुख जैसे दिग्गज अभिनेता के साथ श्रुति पांडे को काम करने का मौका मिला। फिल्म रिलीज के साथ ही अभिनेत्री ने हरिभूमि से चर्चा की और अपनी एक्टिंग के अब तक के सफर को साझा किया।

सिटी इवेंट

गणित विषय से डरें नहीं, इसके जैसा आसान कोई दूसरा नहीं

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा चौबे कालोनी में आयोजित प्रेरणा समर कैंप के दूसरे दिन शनिवार को मोटिवेशनल स्पीकर इंजीनियर बीएन राव ने बच्चों के मन में गणित के प्रति रुचि पैदा करते हुए बहुत ही सरलता के साथ उनकी कठिनाई का समाधान किया। इंजीनियर श्री राव ने कहा कि गणित जैसा आसान कोई दूसरा विषय नहीं है। गणित का भय अपने मन से निकाल दें। गणित के अधिकांश आविष्कार हमारे देश में हुए, किंतु यहां पर गणित को उतना महत्व नहीं दिया जाता है जितना कि अमेरिका आदि देशों में दिया जाता है। इंजीनियरिंग कर लेना महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन आप कितने बड़े गणितज्ञ बनकर निकलते हैं, यह बात अधिक महत्व रखता है।

ब्रह्माकुमारी सौम्या दीदी ने बच्चों को स्वयं की पहचान विषय पर बोलते हुए बताया कि हम अपनी पहचान को भूलकर स्वयं को शरीर समझ बैठे हैं। वास्तव में हम शरीर नहीं, अपितु इसके माध्यम से कार्य करने वाली अविनाशी और चैतन्य शक्ति आत्मा हैं। जिस प्रकार सिम के बिना मोबाइल और ड्राइवर के बिना कार बेकार हो जाती है, वैसे ही आत्मा के बिना यह शरीर निर्जीव कहलाता है। हम स्वयं को भूलकर देह और पदार्थों आदि में फंसे रहते हैं तथा दुखी हो रहे हैं। उन्होंने बच्चों को नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के महत्व को समझाने के लिए कई एक्सरसाइज भी कराई।

सिटी लाइव

आईआईटी ने ध्वनि-रोधी उपकरणों के लिए विकसित की स्मार्ट सामग्री

रायपुर। आईआईटी के शोधकर्ताओं ने अटूट और ध्वनि-रोधी उपकरणों के लिए पॉलिमरिक इलास्टोमर्स जैसी स्मार्ट सामग्री विकसित की है। जो प्रकृति के साथ भी लंबे समय तक अनुकूल रहते हुए कार्य करेगी। इन सामग्रियों का निर्माण एक सरल और उद्योग-अनुकूल प्रक्रिया से किया गया है। यह नवाचारात्मक सामग्री असाधारण आघात प्रतिरोध, ऊर्जा अवशोषण और स्वयं को ठीक करने की क्षमता दर्शाती है, जिससे यह अटूट और ध्वनि-रोधी उपकरणों सहित कई अन्य क्षेत्रों में उपयोग के लिए उपयुक्त है। यह शोध आईआईटी भिलाई के रसायन विज्ञान विभाग की टीम में स्वरूप मैती, निशिकांत सिंह, और डॉ. संजीब बेनर्जी द्वारा किया गया है।

इन सामग्रियों की अनूठी विशेषताएं

डॉ. संजीब बेनर्जी ने बताया कि इन सामग्रियों की अनूठी विशेषताएँ है की ये स्वचालित मरम्मत और उत्कृष्ट कंपन-शमन प्रदर्शन, ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस, निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उपयोग के लिए बेहतर विकल्प हैं। उच्च प्रदर्शन वाले पॉलिमरिक इलास्टोमर्स का विकास उन उत्पादों की टिकाऊपन और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए जरुरी है जो अत्यधिक परिस्थितियों का सामना करते हैं। जिसमें आघात प्रतिरोधक क्षमता, ऊर्जा अवशोषण और उसे नष्ट करने की क्षमता के साथ, झटके-रोधी पैकेजिंग, सुरक्षात्मक कोटिंग्स और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए नए अवसर उत्पन्न करती है।

प्रकृति के साथ स्मार्ट पॉलिमरिक का प्रभाव

स्वरूप मैती और निशिकांत ने बताया कि स्मार्ट पॉलिमरिक सामग्री विभिन्न उद्योगों में क्रांति ला रही हैं, क्योंकि ये असाधारण लचीलापन, आघात प्रतिरोध और ऊर्जा अवशोषण क्षमता प्रदान करती हैं। ये उन्नत सामग्री विशेष पॉलिमर और रासायनिक परस्पर क्रियाओं के माध्यम से डिजाइन की गई हैं, जिससे ये गतिशील दबाव में ऊर्जा को प्रभावी ढंग से अवशोषित और नष्ट कर सकती हैं। प्रकृति से प्रेरणा लेते हुए, जहां समय के साथ लचीले तंत्र विकसित हुए हैं, पॉलिमरिक इलास्टोमर्स को इस तरह से विकसित किया गया है कि वे मजबूती, लचीलापन और क्षति के बाद स्वयं को ठीक करने की क्षमता बनाए रखें। इन सामग्रियों की अनूठी विशेषताएँ भी है जो स्वचालित मरम्मत और उत्कृष्ट कंपन-शमन प्रदर्शन, रक्षा, ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस, निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उपयोग के लिए की जा सकती है।

> ‘शहर के कुशालपुर स्थित खो-खो तालाब में शुक्रवार की शाम को भक्तिमय माहौल रहा। यहां भगवान जगन्नाथ को मदन मोहन रूप में जलक्रीड़ा करते हुए देखने के लिए आसपास के सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे। नौका विहार की परंपरा निभाने के बाद जब पुजारी के मार्गदर्शन में भगवान की प्रतिमा को बाहर निकाला गया तो कई लोगों ने दीए जलाकर उनकी आरती की। इससे जहां भक्तिमय माहौल बन गया, वहीं लोगों को 40 पहले बंद हुई परंपरा के बारे में जानने का अवसर मिला।’

गर्मी से बचने जगन्नाथ ने किया नौका विहार मदन मोहन की झलक पाने तट पर जमे श्रद्धालु

शहर में विलुप्त होती 40 साल पुरानी परंपरा फिर शुरू, सैकड़ों भक्तों ने खो-खो तालाब में जलाए दीए

रायपुर। धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए कुशालपुर के पीयूष नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर से एक बार फिर श्री जगन्नाथ की नौका विहार की परंपरा को आयोजन का हिस्सा बनाया गया। इस आयोजन के साक्षी सैकड़ों श्रद्धालु बने। मंदिर से भगवान के श्रीविग्रह को पूजा-अर्चना के बाद कुशालपुर स्थित खो-खो तालाब में लाया गया। जहां पं. अरविंद अवस्थी के मार्गदर्शन में भगवान को नौका में लेकर जलक्रीड़ा का विधान किया गया। इससे नौका विहार के चलते खो-खो तालाब 40 साल बाद फिर से धार्मिक उत्साह का केंद्र बना। साथ ही पुरानी परंपराओं को पुनर्जीवित करने का सार्थक प्रयास भी सफल हुआ।

21 दिनों तक चंदन तालाब में स्नान

पुजारी अरविंद अवस्थी ने बताया कि कलयुग में भी श्रीजगन्नाथ पुरी धाम में उसी लीला को दोहराते हैं। अक्षय तृतीया से 21 दिनों तक मदन मोहन रूप में वे चंदन तालाब में नौका विहार करते हैं। जेठ पूर्णिमा को उन्हें 108 कलशों से स्नान कराकर गजवेश श्रृंगार किया जाता है। इसके बाद उन्हें गर्भगृह के द्वार पर 15 दिन तक विश्राम के लिए रखा जाता है। जहां उन्हें चंदन सेवा और औषधीय काढ़ा दिया जाता है। सेवा में लगे सेवकों के हाथों में फफोले तक पड़ जाते हैं। 15 दिन प्रभु जगन्नाथ के दर्शन नहीं होते, बल्कि मदन मोहन रूप में दर्शन देते हैं।

नौका विहार से जुड़ी ये मान्यता

मान्यता है कि द्वापर युग में जब भगवान श्रीकृष्ण बाल रूप में लीलाएं करते थे, तब ग्रीष्म ऋतु की तपन से राहत पाने के लिए बैसाख और जेठ मास में जलक्रीड़ा किया करते थे। लगातार जलविहार के बाद जेठ पूर्णिमा की रात्रि उन्हें ज्वर होता था। इसके चलते आषाढ़ कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि तक उनका उपचार चलता। आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा को प्रभु स्वस्थ होते और उसी दिन 'नयन-दर्शन' की परंपरा के अनुसार भक्त उनका दर्शन करते। इस परंपरा को एक बार फिर से निभाने पहल की गई।

तट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

इस दिव्य परंपरा को शुरू करते हुए इस वर्ष कुशालपुर खो-खो तालाब में श्रीजगन्नाथ की नौका विहार यात्रा का आयोजन किया गया। पिछले वर्ष आयोजन के दौरान यह ऐतिहासिक तथ्य सामने आया कि 40 साल पहले टूरीहटरी से खो-खो तालाब तक इस प्रकार की यात्रा निकाली जाती थी। मान्यता है कि जो जीव श्रीजगन्नाथ के तीन रूपों को रथ में ब्रह्मरूप, होली में गोविंद रूप, और चंदन यात्रा में मदन मोहन रूप का दर्शन करते हैं, उसका पुनर्जन्म नहीं होता। इस पुण्य लाभ के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

तनाव के लिए हम स्वयं जिम्मेदार, यह प्रण लें कि इसके लिए किसी को दोष नहीं देंगे

न्यू राजेंद्र नगर वर्धमान मंदिर में विशेष पारिवारिक प्रवचन श्रृंखला

रायपुर। न्यू राजेंद्र नगर स्थित वर्धमान मंदिर में विशेष पारिवारिक प्रवचन श्रृंखला के अंतर्गत उपाध्याय भगवंतश्री मनीष सागर ने दूसरे दिन शनिवार का प्रवचन शुरू करने से पहले सभी को प्रण दिलाया कि मैं अपने तनाव के लिए स्वयं जिम्मेदार हूं और इसके लिए किसी को दोष नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि तनाव के लिए हम स्वयं जिम्मेदार होते हैं, क्योंकि परिस्थितियों और विकारों के चलते हम अपने अंदर तनाव पैदा करते हैं। हम अपने अनुकूल परिस्थितियों को देखना चाहते हैं, अपने हिसाब से जीना चाहते हैं, लेकिन ऐसा होता नहीं है। हमें परिस्थितियों में बदलाव करने के बजाय खुद में बदलाव लाने की जरूरत है। दुखों से मुक्ति और सुख की प्राप्ति के बीच तनाव एक बड़ी बाधा है। एक बार की बात है, एक परिवार में सास और बहू की नहीं जमती थी। बहू पति के सामने दो विकल्प रखती है, या तो वह हमेशा के लिए ससुराल छोड़कर मां के पास चली जाए या फिर वे दोनों किसी दूसरे घर में शिफ्ट होकर रहने लगें।

तीन फार्मूलों से तनाव करें दूर

तनाव से निजात पाने के लिए हमें तीन फार्मूलों का उपयोग करना चाहिए। पहला, एडजस्टमेंट, दूसरा, कंप्रोमाइज और तीसरा है सैक्रिफाइस। हम पढ़ते हैं तो स्थितियां विपरीत हो जाती हैं और परिणाम विनाशकारी होते हैं। परिस्थितियों के अनुसार हमें इन तीन फार्मूलों में से एक को चुनना होगा, क्योंकि हर समय हम अपनी इच्छा के अनुरूप नहीं जी सकते।

हमें पेड़ और घास से सीखना चाहिए

गुरु भगवान ने तनावमुक्त रहने के फॉर्मूले बताए। पहला फार्मूला है और न छोड़ो मुड़ना सीखो। उन्होंने कहा कि हमें पेड़ और घास से सीखना चाहिए। दोनों के आकार और स्वभाव में बहुत बड़ा अंतर है। पेड़ मजबूत और आकार में बड़ा होता है, उसकी जड़ें भी काफी लंबी और गहरी होती हैं, लेकिन फिर भी वह तूफान में गिर जाता है, क्योंकि वह अड़ा रहता है। वहीं घास आकार में काफी छोटी और उसकी जड़ें भी बहुत छोटी रहती हैं, लेकिन फिर भी वह बड़े-बड़े तूफानों का सामना करके भी खड़ी रहती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि घास को झुकना आता है। उसे पता है कि तूफान कुछ देर का है और अगर मैं झुक जाऊंगी तो बच जाऊंगी, लेकिन पेड़ को यह घमंड रहता है कि वह तो काफी बड़ा है और घास उसके सामने कुछ नहीं।

निषाद केंवट समाज 51 जोड़ों का कराएगा सामूहिक विवाह

रायपुर। छत्तीसगढ़ निषाद केवट समाज प्रदेश संगठन द्वारा 11 मई को वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे समाज द्वारा 51 जोड़ों का सामूहिक आदर्श विवाह का आयोजन किया जाएगा। जिला युवाध्यक्ष बिरेंद्र निषाद ने बताया कि दुर्ग-भिलाई के निषाद समाज के सभी जिला तहसील परिक्षेत्र के पदाधिकारी समेत आदर्श विवाह के लिए वर-वधु शामिल होंगे। समारोह का आयोजन वीआईपी रोड ग्राम फुडहर जिला रायपुर में किया जाएगा। छत्तीसगढ़ निषाद केवट समाज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता केवट समाज के प्रदेश अध्यक्ष व गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद करेंगे।

मत्स्य निरीक्षक परीक्षा के नतीजे जारी

रायपुर। मत्स्य निरीक्षक भर्ती परीक्षा के नतीजे जारी कर दिए गए हैं। यह परीक्षा 23 मार्च को आयोजित की गई थी। जिसमे 21 हजार उम्मीदवारों ने फॉर्म भरे थे लेकिन परीक्षा में सिर्फ 9 फीसदी ही शामिल हुए थे। दुर्ग भिलाई में इस परीक्षा के लिए 24 केंद्र बनाए गए थे। लेकिन ज्यादातर सेंटर्स खाली ही थे। मछली पालन विभाग के प्रस्ताव पर मत्स्य निरीक्षक भर्ती के लिए व्यापमं की ओर से कुल 70 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मंगाए गए थे। पहले यह परीक्षा सितंबर 2024 में आयोजित की गई थी। लेकिन कुछ कारणों से इस परीक्षा को स्थगित किया गया था। वही अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट vyapam-cg.cgstate.gov.in पर जाकर रिजल्ट देख सकते हैं।

पूजा के बाद श्रद्धालुओं को पैरंटालू अम्मा रूप में माता ने दिया दर्शन

डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित पूजा पंडाल में शोलापुरी माता पूजा शुरू

रायपुर। शहर के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में शनिवार की रात शोलापुरी माता पूजा उत्सव का माहौल देखने लायक था। हर साल की तरह पूजा उत्सव स्थल पर सजाए गए भव्य पंडाल में माता ने पैरंटालू अम्मा रूप में भक्तों को दर्शन दिया। इसके पहले सुबह श्रीश्रीश्री शोलापुरी माता पूजा उत्सव समिति के अध्यक्ष बी. श्रीनिवास राव, सचिव एम. वेंकट रमना, कोषाध्यक्ष एल. वेंकटेश्वर राव के मार्गदर्शन में उत्सव का आगाज किया गया।

स्थापना के पहले दिन माता के दिव्य रूप की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, इसमें हर वर्ग के लोग शामिल थे। ज्यादातर लोग शाम को माता का दर्शन करने के लिए भी परिवार के साथ पहुंचे, इससे पंडाल में भक्तिमय माहौल बनने लगा है। उत्सव क्षेत्र में मेला भी लगा है। जहां हर वर्ग के लोगों को भक्तिमय माहौल के बीच बच्चों के खेलने व बड़ों के लिए स्टाल सजाया गया है।

हर दिन अलग स्वरूप में होंगी माता

इससे पहले शुक्रवार को मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद शोभायात्रा में शामिल लोग माता के स्वरूप को ब्रह्म मुहूर्त में लेकर पंडाल में पहुंचे। जहां माता की स्थापना विधि-विधान से करने के साथ में दिन में पूजा-आरती का विधान किया गया। यहां हर दिन माता अलग स्वरूप में शाम की आरती में भक्तों को दर्शन लाभ देंगी। समिति के सलाहकार डी. गोविंद राव ने बताया कि पंडाल में मुख्य पुजारी मोहन राव के साथ तीन बाल पुजारी माता की सेवा में लगे हैं। इनके द्वारा ही रोज माता को अलग-अलग स्वरूप दिया जाएगा। माता को भोग अर्पित करने से लेकर उनके श्रृंगार और पूजा का निर्वहन भी बाल पुजारी करेंगे।

हेल्थ टिप्स

ऊर्जा बढ़ाने रोजाना खुद बनाकर खाएं ये नट्स एनर्जी बार

दोपहर के समय कई लोगों को नींद आने लगती है और इससे काम की उत्पादकता पर असर पड़ता है। इससे बचने के लिए लोग कई तरीके आजमाते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो अपनी दोपहर की झपकी को और ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए अपने पास नट्स एनर्जी बार रखें। ये बार आपको ऊर्जा देंगे और आपको ताजगी महसूस करवाएंगे। आइए आज इन बार की रेसिपी जानते हैं, जिन्हें घर पर बनाना आसान है। सबसे पहले एक मिक्सर में बादाम, खजूर, सूखे खुबानी और काजू डालकर अच्छी तरह से पीस लें। अब इस मिश्रण को एक टिन में डालकर फैलाएं और फिर ठंडा करने के लिए रखें। जब मिश्रण जम जाए तो इसे बार के आकार में काटें और इसका सेवन करें। इन बार को बनाने के लिए सूखे मेवे और खुबानी का इस्तेमाल किया गया है, जो फाइबर, प्रोटीन और सेहतमंद फैट्स से भरपूर होते हैं। इसके लिए पहले एक पैन में थोड़े-से अखरोट और किशमिश भूनें। अब एक मिक्सर में अखरोट, किशमिश, पिसी हुई सूखी खुबानी, बादाम का मक्खन और शहद डालकर अच्छी तरह से पीस लें। इसके बाद इस मिश्रण को एक टिन में डालकर फैलाएं और फिर इसे ठंडा करें। जब मिश्रण जम जाए तो इसे बार के आकार में काट लें। इन बार को बनाने के लिए अखरोट और किशमिश का इस्तेमाल किया गया है, जो फाइबर से भरपूर होते हैं। सबसे पहले एक पैन में थोड़ा कदूकस किया हुआ सूखा नारियल भूनें, फिर इसे एक प्लेट में निकालें। अब एक मिक्सर में काजू, सूखे अंजीर, सूखे खुबानी और कदूकस किया हुआ सूखा नारियल डालकर अच्छी तरह से पीस लें। इसके बाद इस मिश्रण को एक टिन में डालकर फैलाएं और फिर इसे ठंडा करें। जब मिश्रण जम जाए तो इसे बार के आकार में काट लें। सूखे मेवों के फायदे भी अनेक हैं।

बादाम और काजू के एनर्जी बार

सबसे पहले एक मिक्सर में बादाम, काजू, किशमिश और सूखे खुबानी डालकर अच्छी तरह से पीस लें। अब एक पैन में थोड़ा नारियल का तेल गर्म करके उसमें कदूकस किया हुआ सूखा नारियल और चीनी मिलाएं। इसके बाद इसमें पीसा हुआ सूखे मेवों वाला मिश्रण डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक टिन में डालकर फैलाएं और फिर इसे ठंडा करें। जब मिश्रण जम जाए तो इसे बार के आकार में काट लें। सबसे पहले एक मिक्सर में अखरोट, सूखे अंजीर, सूखे खुबानी और किशमिश डालकर अच्छी तरह से पीस लें।

सुबह खाली पेट जीरे वाला नींबू पानी पीने के फायदे

सुबह उठकर खाली पेट एक गिलास जीरे नींबू पानी पीना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह न केवल शरीर को ताजगी देता है, बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। जीरे नींबू पानी में मौजूद पोषक तत्व शरीर को ऊर्जा देते हैं और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं। इसके नियमित सेवन से पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। आइए जानते हैं कि सुबह खाली पेट जीरे नींबू पानी पीने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं। जीरे नींबू पानी पाचन क्रिया के लिए बहुत फायदेमंद है। जीरे में मौजूद रेशे और नींबू में मौजूद खट्टा तत्व पाचन को सुधारने में मदद करते हैं। सुबह-सुबह खाली पेट एक गिलास जीरे नींबू पानी पीने से पेट साफ रहता है और कब्ज, गैस जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। यह मिश्रण खाने के पाचन को भी बेहतर बनाता है, जिससे अपच और अन्य पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं। रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूत करने में भी जीरे नींबू पानी अहम भूमिका निभा सकता है। नींबू में विटामिन-C होता है, जो शरीर की सुरक्षा को बढ़ावा देने में मदद करता है। इसके अलावा जीरे में मौजूद गुण भी शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूत करते हैं। नियमित रूप से सुबह खाली पेट जीरे नींबू पानी पीने से शरीर की सफाई होती है और वह बाहरी संक्रमणों से बेहतर तरीके से लड़ सकता है। अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं तो सुबह खाली पेट जीरे नींबू पानी पीना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। जीरे नींबू पानी मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, जिससे शरीर कैलोरी को तेजी से जलाता है। इसके अलावा यह मिश्रण भूख को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिससे आप अनहेल्दी स्नैकिंग से बच सकते हैं।

छोटे-छोटे लक्षणों को समय पर पहचानकर आप किसी गंभीर बीमारी से पहले ही सतर्क हो सकते हैं

काले होंठ या पीले होंठ? ये लक्षण हो सकते हैं बड़ी बीमारी के संकेत

हमारा शरीर किसी भी बीमारी से पहले उसके लक्षण दिखाना शुरू कर देता है, लेकिन अक्सर हम उन संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं। उन्हीं में से एक है होंठों का रंग बदलना। आमतौर पर बचपन में होंठ गुलाबी और चमकदार नजर आते हैं, जो शरीर के अच्छे स्वास्थ्य की निशानी माने जाते हैं। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, खानपान, आदतें और जीवनशैली बदलती है, वैसे-वैसे होंठों का रंग भी धीरे-धीरे बदलने लगता है। ये बदलाव सिर्फ बाहरी नहीं होता, बल्कि शरीर के अंदर चल रही किसी गड़बड़ी की तरफ भी इशारा कर सकता है।

होंठों का रंग लाल, पीला, सफेद, काला या जामुनी होना किसी विशेष स्वास्थ्य स्थिति का संकेत हो सकता है। ऐसे में इन छोटे-छोटे लक्षणों को समय पर पहचानकर आप किसी गंभीर बीमारी से पहले ही सतर्क हो सकते हैं। आइए जानें होंठों के रंग और सेहत का आपस में क्या संबंध है।

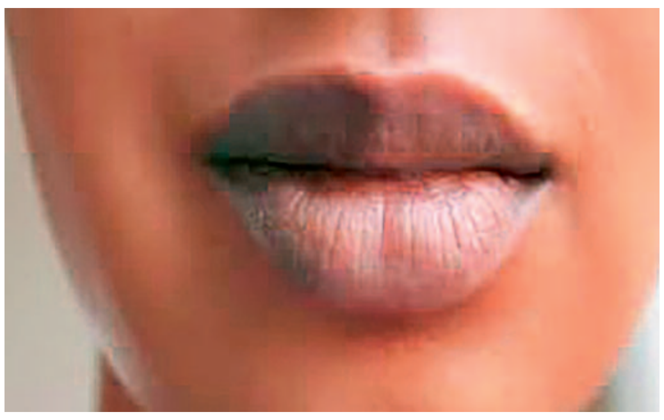

होंठ हो जाएं गहरे लाल

यदि आपके होंठ सामान्य गुलाबी रंग से हटकर गहरे लाल दिखाई देने लगे हैं, तो ये लिवर से जुड़ी किसी समस्या का संकेत हो सकता है। लिवर की कार्यक्षमता कम होने पर शरीर में गर्मी बढ़ जाती है और इसका असर होठों पर दिखता है। इसके अलावा, एलर्जी या किसी प्रकार के इन्फेक्शन की वजह से भी होंठ ज्यादा लाल नजर आ सकते हैं।

जब होंठ दिखें पीले या सफेद

होंठों का रंग अगर पीला या सफेद हो जाए, तो ये शरीर में खून की कमी (एनीमिया) की तरफ इशारा करता है। खासकर जब हीमोग्लोबिन का स्तर कम हो जाता है, तब होंठों की प्राकृतिक गुलाबी चमक फीकी पड़ जाती है। वहीं, लिवर से जुड़ी एक और स्थिति – जब बिलिरुबिन का स्तर बढ़ता है – तब होंठों का रंग पीला दिखने लगता है। वायरल बुखार या पीलिया जैसी स्थितियों में भी यह बदलाव दिखता है।

होंठ अगर हो जाएं काले

काले होंठ आमतौर पर आपकी आदतों और बाहरी चीजों के कारण होते हैं। सिगरेट या तंबाकू का सेवन करने वालों के होंठ अक्सर काले हो जाते हैं। वहीं, खराब क्वालिटी के ब्यूटी प्रोडक्ट्स या धूप में जरूरत से ज्यादा समय बिताने की वजह से भी होंठों का रंग बदल सकता है। अगर आप होठों की ठीक से देखभाल नहीं करते, तो इसका नतीजा भी रंग बदलने के रूप में सामने आता है।

जामुनी होंठ

होंठों का जामुनी हो जाना कभी-कभी ठंड की वजह से हो सकता है, लेकिन अगर ये रंग लंबे समय तक बना रहता है तो ये हृदय या फेफड़ों से जुड़ी किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। ऑक्सीजन की कमी या खराब ब्लड सर्कुलेशन के कारण भी होंठों में जामुनीपन आ जाता है। इसके अलावा, पाचन तंत्र की खराबी भी इस रंग का कारण बन सकती है।

इन खाद्य पदार्थों को कभी फ्रिज में न रखें, हो सकते हैं नुकसानदायक

फ्रिज का इस्तेमाल कई लोग इसलिए करते हैं ताकि उनमें रखे खान-पान की चीजें लंबे समय तक ठीक रहें, लेकिन कई चीजें ऐसी होती हैं, जिनको फ्रिज में रखने से उनमें खराबी आ जाती है और उनका स्वाद भी बिगड़ जाता है। इसके अलावा कुछ चीजें फ्रिज में रखने से उनके पोषक तत्व भी खत्म हो जाते हैं। आइए आज हम आपको ऐसी चीजों के बारे में बताते हैं, जिन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।

टमाटर: कच्चे टमाटर को फ्रिज में बिल्कुल भी नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे उनकी ताजगी और स्वाद दोनों ही खराब हो जाते हैं। दरअसल, जब टमाटर को फ्रिज में रखा जाता है तो उसकी बाहरी परत पर मौजूद बैक्टीरिया मर जाते हैं, लेकिन टमाटर के अंदर के बैक्टीरिया जिंदा रहते हैं और वे टमाटर को खराब कर देते हैं। इसके अलावा कच्चे टमाटर को फ्रिज में रखने से उनमें कड़वापन भी आ जाता है।

प्याज: प्याज को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए क्योंकि फ्रिज में रखने से वे जल्दी खराब हो जाते हैं। इसके अलावा फ्रिज में रखे प्याज से फ्रिज के अन्य खाने-पीने की चीजों का स्वाद भी प्रभावित हो सकता है। हालांकि, अगर आप लंबे समय तक प्याज को सुरक्षित रखना चाहते हैं तो उसे किसी सूती कपड़े में लपेटकर किसी ठंडी जगह पर रख दें। प्याज का सही तरीके से भंडारण करने से उसकी ताजगी बनी रहती है।

हरी मिर्च: हरी मिर्च को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। हरी मिर्च को फ्रिज में रखने से उनमें कड़वापन आ जाता है और वे खराब हो जाती हैं। इसलिए इन्हें किसी ठंडी जगह पर रखें। हालांकि, अगर आप हरी मिर्च को लंबे समय तक सुरक्षित रखना चाहते हैं तो उन्हें धोकर सुखा लें, फिर उन्हें किसी एयर टाइट कंटेनर में रखकर फ्रिज के सब्जी वाले हिस्से में रखें। इससे उनकी ताजगी बनी रहती है।

जैतून का तेल: कई लोग जैतून के तेल को भी फ्रिज में रख देते हैं, लेकिन ऐसा करने से यह खराब हो सकता है। जैतून के तेल को फ्रिज में रखने से उसमें मौजूद पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं और इसके स्वाद में भी बदलाव आ जाता है। जैतून के तेल को हमेशा किसी ठंडी और अंधेरी जगह पर रखें। इससे उसका स्वाद और गुणवत्ता बनी रहती है।

कॉफी पाउडर: कॉफी पाउडर को फ्रिज में रखने से उसमें नमी हो जाती है, जिससे वह खराब हो सकता है। अगर आप कॉफी के शौकीन हैं और आपको इसका स्वाद पसंद है तो इसे फ्रिज में रखने की गलती न करें। कॉफी पाउडर को किसी सूती कपड़े में लपेटकर किसी सूखी जगह पर रखें। इससे उसकी ताजगी और खुशबू बनी रहती है।

प्रकृति की सुंदरता को दर्शाने वाली सबसे खूबसूरत पेंटिंग

कोई भी बच्चा जब पेंटिंग करने की शुरुआत करता है तो वह सबसे पहले फूल ही बनाना सीखता है। इससे यह साबित होता है कि प्रकृति हमेशा से कलाकारों की सबसे बड़ी प्रेरणा रही है। कलाकार फूलों, झरनों, नदियों, पहाड़ों और पेड़-पौधों की तस्वीरें कैनवास पर उकेरते हैं और अपने नजरिए को सदा के लिए अमर कर देते हैं। प्रकृति की सुंदरता ने बहुत सी कलाकृतियों को जन्म दिया है, जिनमें से ये 4 पेंटिंग विश्व प्रसिद्ध हो गई हैं।

वान गॉग की 'व्हीट फील्ड विद किप्रेस्सेस'

वान गॉग ने 1889 में 'व्हीट फील्ड' नामक सीरीज बनाई थी, जिसमें गेहूं के खेत की 3 पेंटिंग शामिल थीं। 'व्हीट फील्ड विद किप्रेस्सेस' भी इनमें से एक थी, जो सभी की तुलना में सबसे ज्यादा मशहूर हुई थी। इस पेंटिंग में नीले आसमान के नीचे एक सुनहरा गेहूं का खेत बनाया गया है, जिसके पीछे ऊंचे और गहरे हरे रंग के सरू के पेड़ बने हुए हैं। पेंटिंग में पहाड़ भी दिखते हैं, जो इसे और सुंदर बनाते हैं।

हेनरी रूसो की 'द फ्लेमिंगोज'

हेनरी रूसो की 'द फ्लेमिंगोज' नामक पेंटिंग आज भी प्रकृति से प्रेरित पेंटिंग की सूची में उच्च

स्थान पर गिनी जाती है। यह जंगल के चित्रों की एक सीरीज का हिस्सा थी, जिसे हेनरी ने 1907 में बनाया था। इस पेंटिंग में नदी के किनारे का दृश्य बनाया गया है, जिसमें गुलाबी रंग के फ्लेमिंगो का एक समूह मौजूद है। वे लिली सहित हरे-भरे वनस्पतियों के बीच बैठे हैं और इसका नजारा बेहद असली लगता है।

क्लाउड मोनेट की 'वाटर लिलीज'

वाटर लिलीज फ्रांस के कलाकार क्लाउड मोनेट द्वारा बनाई गई लगभग 250 आयल पेंटिंग की एक सीरीज है। इसमें शामिल सभी पेंटिंग एक से बढ़कर एक हैं, जो गिवरनी में बसे उनके घर के बगीचे से प्रेरित हैं। ये पेंटिंग मुख्य रूप से उनके बगीचे में स्थित वाटर लिली के तालाब को दर्शाते हैं और उनके जीवन के अंतिम 3 दशकों के दौरान उनकी कलात्मक प्रतिभा का नमूना पेश करते हैं।

घर पर दाल बाटी चूरमा बनाने के लिए अपनाएं ये तरीका

राजस्थान की पारंपरिक खाने की चीजों में शामिल दाल बाटी चूरमा का स्वाद बहुत ही लाजवाब होता है। यह खाना खास मौकों पर बनाया जाता है, लेकिन आप इसे घर पर भी आसानी से बना सकते हैं। दाल बाटी चूरमा का स्वाद इतना बेहतरीन होता है कि यह आपके परिवार और दोस्तों को मंत्रमुग्ध कर देगा। आइए आज हम आपको घर पर दाल बाटी चूरमा बनाने की रेसिपी बताते हैं।

सामग्री: दाल बनाने के लिए आपको अरहर की दाल, प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, जीरा, हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर, गरम मसाला, नमक और हरा धनिया चाहिए। इसके अलावा घी, तेल, नींबू, दही और सौंफ भी जरूरी है। इन चीजों का सही अनुपात में उपयोग करके आप इस खाने का असली स्वाद पा सकते हैं और अपने खाने का मजा दोगुना कर सकते हैं।

घर पर आसानी से बनाए जा सकते हैं इस तरह के कटलेट, जानिए इनकी रेसिपी

कटलेट एक स्वादिष्ट और पौष्टिक नाश्ता है, जिसे आप अपने घर पर आसानी से बना सकते हैं। यह न केवल बच्चों को पसंद आता है, बल्कि बड़ों के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प है। आज हम आपको कुछ ऐसे कटलेट की रेसिपी बताएंगे, जिन्हें आप घर पर आसानी से बना सकते हैं और ये सभी स्वादिष्ट और सेहतमंद हैं। आइए विभिन्न प्रकार के कटलेट बनाने के तरीके जानते हैं, जिन्हें आप अपने घर पर बना सकते हैं।

आलू और मटर के कटलेट

आलू और मटर के कटलेट बनाने के लिए सबसे पहले आलू को उबालकर मैश कर लें, फिर उसमें उबली हुई हरी मटर डालें। इसके बाद इसमें बारीक कटी हुई प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट और नमक मिलाएं। अब इस मिश्रण को छोटे-छोटे गोले बनाकर कटलेट का आकार दें, फिर इन्हें ब्रेड के चूरे में लपेटकर तेल में तलें या ओवन में सेंकें। यह कटलेट चाय या कॉफी के साथ बहुत ही स्वादिष्ट लगते हैं।

पनीर के कटलेट

पनीर के कटलेट बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को कदूकस कर लें, फिर उसमें बारीक कटी हुई प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट और नमक मिलाएं। अब इस मिश्रण में थोड़ा-सा मैदा

मिलाकर छोटे-छोटे गोले बनाएं और उन्हें कटलेट का आकार दें। इसके बाद इन्हें ब्रेड के चूरे में लपेटकर तेल में तलें या ओवन में सेंकें। यह कटलेट विशेष अवसरों पर परोसने के लिए बहुत ही अच्छे लगते हैं।

गाजर और शिमला मिर्च के कटलेट

गाजर और शिमला मिर्च के कटलेट बनाने के लिए सबसे पहले गाजर को कदूकस कर लें, फिर उसमें बारीक कटी हुई शिमला मिर्च, प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट और नमक मिलाएं। अब इस मिश्रण में थोड़ा-सा बेसन मिलाकर छोटे-छोटे गोले बनाएं और उन्हें कटलेट का आकार दें। इसके बाद इन्हें ब्रेड के चूरे में लपेटकर तेल में तलें या ओवन में सेंकें। यह कटलेट बच्चों को बहुत पसंद आते हैं।

पालक और पनीर के कटलेट

पालक और पनीर के कटलेट बनाने के लिए सबसे पहले पालक को उबालकर बारीक काट लें, फिर उसमें कदूकस किया हुआ पनीर, बारीक कटी हुई प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट और नमक मिलाएं। अब इस मिश्रण में थोड़ा-सा बेसन मिलाकर छोटे-छोटे गोले बनाएं और उन्हें कटलेट का आकार दें। इसके बाद इन्हें ब्रेड के चूरे में लपेटकर तेल में तलें या ओवन में सेंकें। यह कटलेट सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।

फिल्म इवेंट

बॉलीवुड

मानुषी छिल्लर, आलिया भट्ट संग 'अल्फा' में करेंगी काम

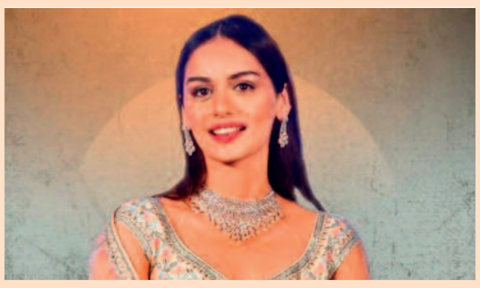

मानुषी छिल्लर यूं तो किसी परिचय का मोहताज नहीं हैं। साल 2017 में उन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर दुनियाभर में भारत का नाम रोशन किया था। हालांकि, मॉडलिंग की दुनिया में बड़ा मुकाम हासिल करने वाली मानुषी बॉलीवुड में अभी तक कुछ खास नहीं कर पाई हैं। पिछली बार अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आईं मानुषी के हाथ अब आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा' लग गई है। यशराज फिल्म्स के महिला स्पाई यूनिवर्स की पहली फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट मुख्य भूमिका निभा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें अब निर्माता आदित्य चोपड़ा ने मानुषी की एंट्री भी करा दी है। फिल्म में अभिनेत्री शरवरी वाघ भी अहम भूमिका में हैं।मानुषी के किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन खबर है कि वह फिल्म में जासूसी करती दिखेंगी, वहीं उन्हें आलिया और शरवरी की तरह एक्शन करते हुए भी देखा जाएगा। इस फिल्म के निर्देशन की कमान शिव रवैल ने संभाली है। शिव ने आदित्य चोपड़ा की वेब सीरीज 'द रेलवे मेन' से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा था। 'अल्फा' इसी साल क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ऋतिक रोशन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं और वह भी इसमें जबरदस्त एक्शन करते दिखेंगे। वह एजेंट कबीर के रूप में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने वाले हैं।

टॉलीवुड

दीपिका पादुकोण और प्रभास फिर आए साथ, इस फिल्म में दिखेंगे

मुंबई। साउथ सिनेमा के स्टार प्रभास और दीपिका पादुकोण पहली बार फिल्म 'कल्कि 2898 AD' के लिए साथ आए थे। इस फिल्म ने दुनियाभर में 1,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था। अब जहां इस ब्लॉकबस्टर फिल्म का दूसरा भाग बनने जा रहा है, वहीं इसी बीच खबर आई है कि प्रभास और दीपिका एक और फिल्म के लिए साथ आ गए हैं। फिल्म का नाम है 'स्पिरिट', जिसका इंतजार प्रभास के प्रशंसक लंबे समय से कर रहे हैं। दीपिका की 'स्पिरिट' में एंट्री हो गई हैं। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने उन्हें फिल्म के लिए साइन कर लिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि संदीप शुरू से ही फिल्म में दीपिका को लेना चाहते थे। जब उन्होंने उनसे संपर्क किया तो दीपिका ने प्रेग्नेंसी के चलते फिल्म ठुकरा दी थी। फिर संदीप फिल्म का नया शूटिंग शेड्यूल तय कर वापस दीपिका के पास पहुंचे और अभिनेत्री भी काम करने के लिए राजी हो गईं। रिपोर्ट के मुताबिक, पहले 2024 के अंत में इस फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली थी, लेकिन दीपिका की ना के बाद संदीप ने शूटिंग टाल दी थी। बताया जा रहा है कि संदीप ने दीपिका के लिए एक शानदार किरदार लिखा है और उन्हें भरोसा है कि वह इस महत्वपूर्ण भूमिका के साथ पूरा न्याय करेंगी। दीपिका खुद भी अपने किरदार से बेहद प्रभावित हैं, वहीं वह पहली बार संदीप संग काम करने को लेकर भी बेहद उत्साहित हैं।

पंजाबी

नेहा शर्मा ने मनाली में पूरी की पंजाबी फिल्म 'संजोग' की शूटिंग

मुंबई. नेहा शर्मा इन दिनों हिमाचल प्रदेश में हैं। वह मनाली में अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'संजोग' का शेड्यूल पूरा कर चुकी हैं। 'संजोग' एक पंजाबी फिल्म है। इसमें जस्सी गिल और हैप्पी रायकोटी जैसे शानदार कलाकार लीड रोल में हैं। फिल्म का निर्देशन हरीश गार्गी ने किया है. एक्ट्रेस की यह पहली पंजाबी फिल्म नहीं है, इससे पहले वह गिप्पी ग्रेवाल की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'इक संधू हुंदा सी' में नजर आ चुकी हैं. इस फिल्म का निर्देशन राकेश मेहता ने किया।वह पहाड़ों की खूबसूरत वादियों का लुत्फ उठा रही हैं और सोशल मीडिया पर जमकर फोटोज शेयर कर रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने एक बार फिर अपने हिमाचल ट्रिप की तस्वीरें शेयर की और फैंस से दिलचस्प सवाल पूछा। उनका यह पोस्ट अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। नेहा ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की, जिसमें शूटिंग के दौरान के मजेदार बीटीएस पल, बर्फ से ढके पहाड़ों की खूबसूरत वादियां और उनके होटल रूम से दिखने वाला शानदार नजारा शामिल है। नेहा शर्मा ने फिल्म की शूटिंग खत्म होने के बाद पूरी टीम के साथ जश्न मनाती भी नजर आईं. इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- "आप किस टीम के साथ हैं, पहाड़ों में खाई जाने वाली मैगी या गरमा-गरम चाय?"

डेली वियर के लिए साड़ी पहनना पसंद करती हैं तो एक्ट्रेस कृति सेनन की तरह आप भी जॉर्जेट साड़ी को पहन सकती हैं। मिनिमल वर्क की फ्लोरल डिजाइन साड़ी आपको मार्केट में 1,000 रुपये से भी कम में मिल जाएगी। इस तरह की खूबसूरत साड़ी के साथ में आप कानों में पर्ल डिजाइन के इयररिंग्स को पहन सकती हैं। बालों के लिए स्लीक हेयर स्टाइल को आप चुन सकती हैं। रॉ मैंगो ने इस स्टाइलिश साड़ी को डिजाइन किया है।

फिर से लौटा 90 के दशक वाले पफ स्लीव ब्लाउज का चलन, सिलवाएं ये आकर्षक डिजाइन...

देश में 90 के दशक में महिलाएं पफ स्लीव वाले ब्लाउज पहनना पसंद करती थीं, जिन्हें उस दौर की अभिनेत्रियों ने मशहूर किया था।यह चलन एक बार फिर जोरों-शोरों से वापसी कर रहा है और महिलाओं की अलमारी का हिस्सा बन रहा है। आप भी इस ट्रेंड को अपनाने के लिए पफ स्लीव वाले ब्लाउज की ये 4 आकर्षक डिजाइन अपना सकती हैं, जो 90 के दशक से प्रेरित हैं। इनके जरिए आप सुंदर दिखेंगी और आपकी साड़ी की शोभा बढ़ेगी।

छोटी पफ स्लीव

अगर आप सिल्क की साड़ी पहन रही हैं तो उसके साथ प्रिंटेड कपड़े वाला छोटी पफ स्लीव का ब्लाउज सिलवाएं। अपने ब्लाउज की बाजुओं के निचले हिस्से को सामान्य यानि सीधा ही रखें। इसके ऊपर वाले हिस्से को फूला हुआ लुक दें, जिससे आपको किसी राजकुमारी जैसा महसूस होगा। आप अपने ब्लाउज की नेकलाइन को V या डीप रखवा सकती हैं। छोटी पफ स्लीव वाला ब्लाउज गर्मी के लिए सबसे आदर्श रहेगा।

प्लीट वाली पफ स्लीव

अगर आपको पफ स्लीव वाले ब्लाउज की डिजाइन को साधारण नहीं रखना है तो उसमें चुन्नटें यानि प्लीट्स सिल्वा लें। ऐसा करने से आपका ब्लाउज सबसे अलग दिखाई देगा और आप सभी की तारीफें

भी बटोर लेंगी। ब्लाउज की नेकलाइन बोट वाली रखवाएं और बाजुओं की हर एक प्लीट पर नग या मोती लगवा दें। इस तरह का ब्लाउज आप सिल्क या ब्रोकेड जैसे कपड़ों से सिलवा सकती हैं। इसके जरिए आपको दक्षिण भारतीय लुक मिलेगा।

नेट की पफ स्लीव

इन दिनों ऑर्गेंजा और टिश्यू कपड़े की साड़ियां सबसे प्रसिद्ध हो रही हैं, जिनके साथ पफ स्लीव वाले ब्लाउज सबसे शानदार लगते हैं।

आपको इन साड़ियों के साथ नेट के कपड़े वाली पफ स्लीव सिलवानी चाहिए। नेट जैसे पारदर्शी कपड़े लुक में चार चांद लगा देते हैं और किसी राजकुमारी जैसा लुक देते हैं।

लाल और सफेद रंग की धारियों वाली साड़ी को ऐसे स्टाइल करें

लाल और सफेद रंग की धारियों वाली साड़ी एक सुंदर और आकर्षक विकल्प है, जो हर महिला की अलमारी में होनी चाहिए। यह साड़ी न केवल पारंपरिक दिखती है, बल्कि इसमें एक आधुनिक अंदाज भी है। इस साड़ी को सही तरीके से स्टाइल करने पर आप हर मौके पर खास दिख सकती हैं। आइए इस साड़ी को स्टाइल करने के लिए बेहतरीन फैशन टिप्स जानते हैं।

ऐसी साड़ी के साथ सफेद ब्लाउज पहनें

लाल और सफेद धारियों वाली साड़ी के साथ सफेद ब्लाउज पहनना एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। सफेद ब्लाउज आपके लुक को साफ-सुथरा और आकर्षक बनाता है। इसके अलावा यह रंग की विपरीतता भी बढ़ाता है, जिससे आपकी साड़ी की धारियां और भी ज्यादा उभरकर दिखती हैं। सफेद ब्लाउज पहनने से आपका पूरा लुक संतुलित और सुंदर लगता है। इसे पहनकर आप किसी भी अवसर पर आकर्षक दिख सकती हैं।

पारंपरिक गहनों का करें चयन

पारंपरिक गहने लाल और सफेद धारियों वाली साड़ी के साथ बहुत अच्छे लगते हैं। आप सोने या चांदी की भारी कढ़ा, झुमके और चूड़ियां पहन सकती हैं, जो आपके लुक को और भी खास बनाएंगी। इसके अलावा आप मांगटीका या नथनी भी शामिल कर सकती हैं, जिससे आपका पूरा लुक शाही लगेगा। पारंपरिक गहने आपके पारंपरिक कपड़ों के साथ बहुत अच्छे लगते हैं और आपको एक खास और सुंदर दिखने में मदद करते हैं।

हल्का मेकअप करें

जब आप लाल और सफेद धारियों वाली साड़ी पहनें तो हल्का मेकअप करना सबसे अच्छा रहता है। इसमें हल्का फाउंडेशन, काजल, मस्कारा और हल्के रंग की लिपस्टिक शामिल हो सकती है। इससे आपका चेहरा ताजगी भरा दिखेगा और आपका पूरा लुक संतुलित लगेगा। हल्का मेकअप न केवल आपको प्राकृतिक सुंदरता देता है, बल्कि आपकी साड़ी की धारियों को भी उभारता है। इस तरह का मेकअप आपके लुक को कोमल और आकर्षक बनाता है।

बालों को खुला रखें या बनाएं जुड़ा

बालों को खुला रखना या जुड़ा बनाना दोनों ही विकल्प अच्छे लगते हैं। अगर आपका हेयरस्टाइल सरल होगा तो आपका लुक ज्यादा बनावटी नहीं लगेगा और आप आरामदायक महसूस करेंगी।

अलमारी में रखे पुराने कपड़ों से बनाएं घर की सजावट का सामान, कोना-कोना लगेगा कलात्मक

हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका घर खूबसूरत दिखे और उसमें शाही स्पर्श जुड़ जाए। हालांकि, इसके लिए हजारों-लाखों रुपये खर्च करना बिलकुल भी जरूरी नहीं होता है। आप अपनी अलमारी में रखे पुराने कपड़ों का इस्तेमाल करके भी घर की सजावट कर सकते हैं। भारतीय प्रिंट और डिजाइन वाले कपड़े आपके घर को एक कलात्मक रूप दे देंगे और हर कोने को सुंदर भी बना देंगे। जानिए आप कपड़ों से कौन-सा सजावट का सामान बना सकते हैं।

तकिए के कवर बनाएं

सिल्क की साड़ियों को फेकने के बजाय आप उनसे बेहद सुंदर तकिए के कवर बना सकते हैं। अलग-अलग पैटर्न और रंग वाली साड़ियों के चौकोर टुकड़े काट लें। सिलाई मशीन का इस्तेमाल करके पहले 2 टुकड़ों को सिलें, फिर 4 को एक साथ जोड़ दें। अब 4-4 टुकड़ों को जोड़कर बनाए गए 2 भागों को एक साथ सिलें और तकिया पर चढ़ाकर कच्ची सिलाई कर दें। इस तरह के कवर चढ़ाने से घर में राजस्थानी और बनारसी स्पर्श जुड़ जाएगा।

कपड़ों को फ्रेम करें

घर की सजावट के लिए फोटो फ्रेम तो सभी लगाते हैं। हालांकि, काफी कम लोग होते हैं, जो पुराने कपड़ों को फ्रेम करके घर की शोभा बढ़ाने का सोच पाते हैं। इसके लिए आप किसी पुश्तैनी शॉल या दुप्पटे का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आपको बड़ा फ्रेम लगाना है तो शॉल को बिना कटवाए ही फ्रेम करवा लें। छोटे फ्रेम में शॉल के टुकड़े करके लगाएं और उनके पैटर्न को कलात्मक रूप से दीवार पर व्यवस्थित करें।

गर्मी के लिए सही रहेंगी चिकनकारी कुर्तियां, जानिए इन्हें स्टाइल करने के शानदार तरीके

गर्मी में ऐसे कपड़ों का चयन करना सही रहता है, जो शरीर को ठंडा रखें और पसीने को जल्दी सोख सकें। इन्हीं आरामदायक कपड़ों की सूची में शुमार होती है चिकनकारी कुर्ती, जिसे लखनऊ की शान माना जाता है। चाहे पार्टी में शामिल होना हो, कॉलेज जाना हो या किसी पारंपरिक कारिक्रम में शिरकत देनी हो, चिकनकारी कुर्तियां हर मौके के लिए सही रहती हैं। आज के फैशन टिप्स में इस परिधान को स्टाइल करने के 5 शानदार तरीके जानें।

वाइड लेग जींस के साथ स्टाइल करें

इन दिनों महिलाएं चिकनकारी कुर्तियों के साथ एक मॉडर्न लुक पाना पसंद करती हैं। इसके लिए आप इस पारंपरिक परिधान को वाइड लेग डेनिम जींस के साथ पेयर कर सकती हैं। यह लुक कॉलेज जाने, खरीदारी करने या दिन के समय घूमने जाने के लिए सबसे आदर्श रहेगा। वाइड लेग जींस के साथ छोटे आकार वाली चिकनकारी कुर्तियां सबसे अच्छी लगती हैं, जो इन दिनों सबसे ज्यादा ट्रेंड में हैं। इस लुक के साथ आप स्नीकर्स पहन सकती हैं।

दुपट्टे और चूड़ीदार पयजामा के साथ पेयर करें

अगर आप पूजा या त्योहार के मौके पर चिकनकारी कुर्ती का चयन कर रही हैं तो उसके साथ दुपट्टा ओढ़ें और चूड़ीदार पयजामा पहनें।

ऐसा करने से सूट तैयार हो जाएगा, जो गर्मी से बचाएगा और स्टाइल में भी कमी नहीं आने देगा। अगर आप लुक को सिंपल रखना चाहती हैं तो सफेद दुपट्टा और चूड़ीदार चुनें। ज्यादा फैंसी लुक के लिए आप जटिल कढ़ाई वाला दुपट्टा ले सकती हैं और कुर्ती से मेल खाता चूड़ीदार पयजामा पहन सकती हैं।

चिकनकारी कुर्तियों को स्टाइल करने का सदाबहार तरीका होता है उन्हें प्लाजो के साथ पहनना।

कार्नर न्यूज

न केवल सुंदर दिखते हैं, बल्कि आरामदायक भी

हर महिला के पास जरूर होने चाहिए ये लहंगे जब शुभ अवसर पर पहनेंगीं तो लगेंगी खूबसूरत

लहंगा महिलाओं के पारंपरिक कपड़ों में से एक है। यह न केवल शादी-ब्याह बल्कि त्योहारों और खास मौकों पर भी पहना जाता है। आज हम आपको पांच ऐसे लहंगों के बारे में बताएंगे, जो हर महिला के पास होने चाहिए। ये लहंगे न केवल सुंदर दिखते हैं, बल्कि आरामदायक भी होते हैं। इनकी खासियत यह है कि इन्हें आप अलग-अलग तरह की चोली के साथ पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास बन जाएगा।

बनारसी लहंगा

बनारसी साड़ी की तरह ही बनारसी लहंगा भी बहुत ही शाही और सुंदर होता है। बनारसी रेशम से बने ये लहंगे अक्सर सुनहरे या चांदी रंग के धागों से कढ़ाई की जाती है, जो इन्हें एक खास लुक देती है। इन्हें शादी और बड़े समारोहों में पहना जा सकता है। बनारसी लहंगे की खासियत यह है कि ये न केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि पहनने में भी आरामदायक होते हैं।

जरीदार लहंगा

जरीदार लहंगे उन महिलाओं के लिए अच्छे होते हैं, जो चमक-धमक पसंद करती हैं। इन पर मोटा जरी का काम होता है, जो इन्हें बहुत ही आकर्षक बनाता है। जरीदार लहंगे अक्सर त्योहारों और उत्सवों में पहने जाते हैं क्योंकि ये आपके लुक को खास बना सकते हैं। इनकी चमक और डिजाइन आपको हर मौके पर अलग दिखाते हैं। जरीदार लहंगों का चयन करते समय उनकी फिटिंग और आराम पर भी ध्यान देना जरूरी है।

कांचीपुरम सिल्क लहंगा

कांचीपुरम सिल्क दक्षिण भारत की मशहूर कपड़े बनाने की शैली है, जो अपने मजबूत और चमकीले रंगों के लिए जानी जाती है। ये लहंगे भारी होते हैं और इन पर पारंपरिक डिजाइन होते हैं, जो इन्हें बहुत ही आकर्षक बनाते हैं। कांचीपुरम सिल्क लहंगे शादी-ब्याह समेत धार्मिक समारोहों में पहने जाते हैं। इनकी गुणवत्ता और टिकाऊपन इन्हें लंबे समय तक चलने वाला बनाती है, जिससे आप इन्हें कई सालों तक इस्तेमाल कर सकती हैं।

पटोला प्रिंटेड लहंगा

पटोला प्रिंटेड गुजरात की एक पारंपरिक कपड़ा बनाने की तकनीक है, जो अपने चमकीले रंगों और जटिल पैटर्न के लिए जानी जाती है। पटोला प्रिंटेड लहंगे बहुत ही अनोखे दिखते हैं और इन्हें किसी भी समारोह या त्योहार में पहना जा सकता है। ये हल्के होते हैं, जिससे इन्हें पहनना आसान होता है। पटोला प्रिंटेड लहंगे का चयन करते समय उनके रंगों और पैटर्न पर ध्यान देना जरूरी है ताकि आपका लुक और भी खास बन सके।

चंदेरी कॉटन लहंगा

चंदेरी कॉटन मध्य प्रदेश की मशहूर कपड़ा बनाने की शैली है, जो हल्के और आरामदायक कपड़े से बने होते हैं। ये गर्मियों के त्योहारों जैसे राखी या जन्माष्टमी आदि पर पहने जा सकते हैं क्योंकि ये बहुत ही आरामदायक होते हैं। इन सभी प्रकार के लहंगों को अपनी अलमारी में शामिल करके आप हर मौके पर खूबसूरत दिख सकती हैं। ध्यान रखें कि लहंगा चाहे कोई भी हो, उसकी फिटिंग सही होनी चाहिए।